चेतना संदेश

भारतीय तैलिक साहू राठौर महासभा

उत्तिष्ठित जागृत

तैलिक समाज दिग्दर्शक

चेतना संदेश | मार्च–2017 | अंक–15 | त्रमासिक पत्रिका

समाज की दशा एवं दिशा का व्यवहारिक आँकलन
एवं मार्गदर्शक के रूप में रचनात्मक पहल।

E-mail : bhartiyatailikmahasabha@gmail.com
Website : www.tailik.org.

If undelivered please return to :
Shubham Theatre Building
Cantt. Road, Kaiserbagh, Lucknow-01
0522-2628182, 9451403835

My Some Important Memories

Praveen Teli Gandla Corpole

YOUTH PRESIDENT

Bhartiya Tailik Sahu Rathore Mahasabha, Telangana

Contact : +91 9390100002

भारतीय तैलिक साहू राठौर महासभा

उत्तिष्ठित जागृत

भारतीय तैलिक साहू राठौर महासभा (रजि0)

द्वारा प्रकाशित पत्रिका

चेतना संदेश

मुख्य संरक्षक,संस्थापक एवं राष्ट्रीय अध्यक्ष :

गांधी रामनरायन साहू (पूर्व सांसद)

मोबाइल– 09695130007

संरक्षक मण्डल :

डॉ0उमेश नंदलाल शाहू

नागपुर– # 09422114433

श्रीमती मानसी साहू, एडवोकेट (सुप्रीमकोर्ट)

दिल्ली– # 09868149873

मेवा लाल साहू

ग्वालियर– # 08959136930

अरविंद गांधी, एडवोकेट

बलिया, उ.प्र. – # 09415813210

प्रवीण कारपोले गाण्डला तेली

हैदराबाद – # 09390100002

एस.गोकुल राज

त्रिपुरा, तमिलनाडू– # 09344698098

ललित राठौर

रूद्रपुर, उत्तराखण्ड – # 09690455226

प्रधान सम्पादक :

जितेन्द्र माथुर

लखनऊ– # 09936241320

सम्पादक :

रमाशंकर तेली, एडवोकेट

लखनऊ– # 09451403835

सह–सम्पादक :

गांधी शिवसागर साहू

लखनऊ– # 09452572336

विधिक–सलाहकार :

मनोज साहू, एडवोकेट

लखनऊ– # 09450750386

परामर्शदाता समिति :

मोहनलाल गुप्ता

लखनऊ– # 09415576867

जैकिशन साहू

गाज़ीपुर – # 09415241047

मोदी राम औतार साहू

लखनऊ – # 09451236399

श्रीमती विजय लक्ष्मी साहू

फतेहपुर,(उ.प्र.) – # 07309155011

प्राक्कथन

जैसे विचार होते हैं वैसा ही हमारा जीवन बनता है। यह संसार कल्पवृक्ष है। उसकी छाया में बैठकर हम जो भी विचार करेंगे,वैसे ही परिणाम प्राप्त होंगे । जो अपने आप को सदविचारों से भरे रखते हैं, वे पद-पद पर जीवन के महान वरदानों से विभूषित होते हैं। उन्हें सफलता,महानता ,सुखशांति प्रसन्नता के आधार मिलते रहते हैं। जो स्वयं को दीन-हीन, अभागा बदनसीब समझते हैं, उनका जीवन भी दयनीय बन जाता है। विचारों से गिरे हुये व्यक्ति को परमात्मा भी नहीं उठा सकता, जो अंधकारमय निराशवादी विचार रखते है उनका जीवन भी उन्नत और उत्कृष्ट नहीं बन सकता। मनुष्य को वही मिलता है जैसे उसके विचार होते हैं।

विचारों में बड़ा जादू है। वे हमें उठा सकते हैं और गिरा भी सकते हैं। आवश्यकता इस बात की है कि हमें आशावादी विचारों से अपने मन को सराबोर रखना है अथवा हीन और बुरे विचारों से स्वयं को लिप्त रखना है। दिव्य विचारों का सतत् अभ्यास करें और बुरे विचारों को सद् विचारों से काटते चलें।

-गांधी रामनरायन साहू
राष्ट्रीय अध्यक्ष/संस्थापक

प्रकाशक : भारतीय तैलिक साहू राठौर महासभा (रजि0)

कार्यालय :

शुभम थियेटर बिल्डिंग,कैण्ट रोड़, कैसरबाग लखनऊ–226001

फोन : 0522–2628182, वेब साईट : www.tailik.org.

ई–मेल : bhartiyatailikmahasabha@gmail.com

मुद्रक : एक्स्ट्रीम एडवारटाइजिंग, लखनऊ

फोन : 0522–4043571, मो. +919839075611

अनुक्रमणिका

क्र.	लेख का नाम	पृष्ठ संख्या
1.	समाज जागरण के भाव को संजोये रखें......	3
2.	देने का सुख.......	3
3.	सम्पादकीय....	4
4.	भाषण राज्य सभा–रामनरायन साहू	5
5.	सामाजिक उत्थान के लिए....	6–7
6.	प्रेरणा..	9
7.	कैसा हो भारतीय शिक्षा का स्वरूप...	11–13
8.	राजनैतिक सक्रियता से विकास मे.........	15
9.	पछाई रोटी...	17,19
10.	अपनी सफलता अपने हाथ...	25
11.	साहू इतिहास के पृष्ठों में	27
12.	गर्मी से ऐसे मिले राहत...	31
13.	सामाजिक राजनैतिक जागरूकता एक चिन्तन...	33
14.	समाजोत्थान में नारी की भूमिका...	34
15.	भारत वर्ष मे साहू समाज के निर्वाचित विधायक/विधान परिषद सदस्य...	35
16.	अच्छाईयों को कभी ना भूलें...	36
17.	A Letter for National President...	41–42
18.	ऊर्जा आत्म प्रशंसा...	43
19.	काला धन, आर्थिक प्रशासन एवं राजनीतिक निर्णय...	44–45
20.	सहयोगी सदस्याता स्वीकृति–पत्र..	50
21.	स्वाजातीय बन्धु सादर नमस्कार...	51
22.	समाचार पत्रों की सुर्खियाँ...	52

पत्रिका में विज्ञापन दर

रंगीन पृष्ठ- 2 रू. 8,000/-, रंगीन पृष्ठ- 3 रू. 6000/- रंगीन पृष्ठ 4 रू. 10000/-
रंगीन पृष्ठ पत्रिका के अन्दर फुल पृष्ठ -रू. 3000/- आधा पृष्ठ- रू. 1500/-
पूरा पृष्ठ ब्लैक एण्ड व्हाइट रू. 1,500/-, आधा पृष्ठ रू. 800/-

समाज जागरण के भाव को संजोये रखें।

हम सभी को कटु व कठोर अनुभूति है कि स्वसमाज अशिक्षा, उपेक्षा, उदासीनता, पिछड़ापन, विघटन निष्प्रेरणा, स्वार्थपरता, रूढ़िवादिता, निर्धानता आदि जैसे रोगों से ग्रसित है। विकासोन्मुख चरण थमे हुये हैं। निष्ठायें ग्रसित हैं। अहंकार, अहम की गर्वभूमिका उन्नति के मार्ग में आड़े आ रही हैं। सभी ओर प्रातः से रात्रि तक का जीवन जीने का वही यंत्रवत् जीवन क्रम दृष्टिगोचर होता है। ऐसे में अब नितांत आवश्यकता है कि आँख खोलकर ,अंगड़ाई लेकर उठ खड़े हों। उस स्वाभिमान की जंग में हमें विजयी होना है। वाक्यपटु नेताओं ने कुछ न कुछ अन्यथा बोलकर हमारी संवेदनशील त्वचा पर सुईयाँ चुभोई हैं अब तो शूल प्रहार भी होने लगे हैं। कोई भी न्यायप्रिय सामाजिक व्यक्त्तिव नहीं दिखवाई देता है जो समान विकास संहिता के आधाार पर हमें भी भागीदारी प्रदान करे।

परन्तु अब हमें ही संघर्ष करना होगा। पीड़ित दुखी बन्धुओं को गले लगाकर आत्मीयता रूपी मरहम से उन्हें शान्त्वना देनी होगी। एक और एक ग्यारह के भाव से जन-जन में जातीय भावना फूँकते हुये हम समाज चेतना के पुन्ज बनें।

–जितेन्द्र माथुर
प्रधान सम्पादक

देने का सुख

सुखी जीवन की शर्त है कि हमारी दृष्टि 'लेने' या 'भोगने' से ज्यादा देने या त्यागने में होनी चाहिए। 'देने' का सुख' सचमुख मन को संतोष प्रदान करने वाला होता है। किसी के लिए कुछ करके जो संतोष मिलता है उसे शब्दों में बयान नहीं किया जा सकता। फिर वह कड़कती ठंड में किसी गरीब को एक प्याली चाय देना ही क्यों न हो और इसके साथ मन में 'को जो मिला बहुत मिला-शुक्रिया' के भाव हो तो जिंदगी बड़े सुकून से सफल और सार्थक रूप से जी सकते है। बहरहाल ऐसा होता नहीं है। किसी न किसी वजह से हमें नकारात्मकता घेरे रहती है। विश्वास से भरा मन परिस्थिति के अनुकूल स्वयं को अपने अनुसार ढाल लेता है। विश्वास के अभाव में सफलताएं संभव नहीं, क्योंकि लड़ाई में युद्ध होने से पहले ही हथियार डाल देने वाला सिपाही कभी विजयी नहीं बनता कार्य प्रारंभ होने से पहले ही यदि मन संदेहमय, आशंका से भर जाए तो यह बुजदिली है।

सफलता का महत्वपूर्ण सूत्र है साहसी मन का होना। मन यदि बुझा-बुझा- सा है तो शरीर कभी सक्रिय नहीं बन सकता। मन में स्वयं के प्रति यह विश्वास होना जरूरी है कि मुझमें अनंत शक्ति का संचय है। मै भी वह सब कुछ कर सकता हूँ दूसरे लोग करते है। अपने कदमों पर खेड़े होने का साहस भी जिनमें न हो तो भला ऐसे लोग क्या कर सकेंगे अपनी जिंदगी में? इसलिए महावीर ने उपदेश दिया- पराक्रमी बनो। जो करना है वह आपको ही करना है। लिहाजा अपने हालात के लिए दूसरों को जिम्मेदार ठहराने का कोई मतलब नहीं होता। ओशों के अनुसार यहां कोई भी आपका सपना पूरा करने के लिए नहीं है। हर कोई अपनी तकदीर बनानामें लगा है। अकसर हमारे मन मे अनजाने ही यह धारणा बन जाती है कि यदि हमें इच्छित वस्तु नहीं मिली तो हम सुखी नहीं रह सकेंगे। यह धारणा निराधार है।

कई बार वर्तमान में हमें जो असफलता अथवा विपत्ति दिखलाई पड़ती है, वही हमारे जीवन का एक महत्वपूर्ण मोड़ साबित होती है, जिसकी हमने कभी कल्पना भी नही की थी। सफलता और संघर्ष साथ-साथ चलते हैं। चुनौतियों केवल बुलंदियों को छूने की नहीं होती, बल्कि खुद को वहीं बनाए रखने की भी होती है। रोम के महान दार्शनिक 'सेने' कहते है कि कठिन रास्तें भी हमें ऊँचाइयों तक ले जाते हैं। इसलिए कठिन रास्ते से घबराना नही चाहिए, बल्कि उन्हें आगे होकर स्वीकारना चाहिए।

–गिरिजाशंकर गुप्ता
प्रमुख महामंत्री, मुम्बई
मो0 09967602233

उन पर भरोसा मत करों जिसका ख्याल वक्त के साथ बदल जाये।

सम्पादक की कलम से......................

सामाजिक भाईयों एवम बहनों,

लोगों के शिकायत रहती है कि सामाजिक संगठनों ने कितने वर्षो बाद भी कुछ नहीं दिया लेकिन यह नहीं सोचते हमने सामाजिक संगठनों को क्या दिया है यदि सभी लोग याचना छोड कर समाज के प्रति अपने कर्तव्य निभाएं तो समाज की उन्नति को कोई रोक नहीं सकता अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति जे० एफ कैनेडी ने कहा था यह मत सोचों कि हम समाज को क्या देते है। देश व समाज आपको क्या देता है। विचार यह है कि मैं समाज के समाने याचक बन कर आता हूँ या समाजा के लिए करने की इच्छा से जीती है।

सोचें! आपके घर आयोंजनों में लोग कितनी दूर से अपना समय और पैसा खर्च कर के आए है। ताकि आपका कार्यक्रम सफल हो सके, समाज में आपका मान सम्मान बना रह सके, कितनो ने आपके विवाह में उपस्थिति होकर आपके सुखमय बैवाहिक जीवन की कामना की है। कितनों ने आपके बच्चों के जन्म और जन्मदिन पर उपस्थिति होकर उन्हें आर्शीवाद दिया है। कितनों ने गमी होने पर उसे शमशान तक पहुचांने में आपका साथ दिया कितनो ने आपके दुख के अवसर पर अपना काम काज छोड कर आपके साथ रहकर आपको संम्बल सुख प्रदान किया है। समाज के लोगो ने ही आपके परिजनों के अस्वस्थ होने पर अस्पताल में दिन रात चक्कर काटें हैं। इतना सब कुछ करने के बाद आप कहते हैं। कि समाज ने हमें क्या दिया ? यह तो एक तरह सें समाज के प्रति घोर कृतध्नता है। एक बार आप अपने से प्रश्न करें, आज तक हमने समाज को क्या दिया। संगठनों को क्या दिया।

आज यदि समाज में अशिक्षा है। तो इसका कारण यह है कि हम पढ़ लिखकर समाज की अशिक्षा को भूल गए। दहेज प्रथा है तो इसका कारण है हमने अपने विवाह में अच्छा खाशा दहेज लिया था। यदि समाज का भवन नहीं है तो इसका तात्पर्य यह है कि हम अपना घर तो बनाते रहे। पर कभी समाज के लिए सोचना भी उचित नहीं समझा, यदि समाज में बेरोजगारी है। इसका कारण है कि हमने नौकरी में लगकर कभी अपने बेरोजगर भाईबहिनों की ओर झांक कर नहीं देखा। आज यदि समाज में गरीबी है तो इसका कारण यह है कि हमारे पास चार पैसे आने पर हमने कभी उसे समाज पर खर्च करना मुनासिब नहीं समझा , अच्छा पद और प्रतिष्ठा पाने पर हमने केवल अपना विकास किया और समाज की कभी सुधिर लेना उचित नहीं समझा हम केवल आत्म केन्द्रित होकर रह गए है। हम यदि समाज के बारे में सोचते समाज के विकास के बारे सोचते या समाज हित में कोई कारगर कदम उठाने में कडी बनते समाज भी विकास और उन्नति की राह पर दिखाई पडता पर ऐसा नहीं हुआ, गाँव के लोग पढ़ लिखकर शहर पहुँच गए, विदेश पहुँच गए, समाज आज भी गाँव में ही निवासरत और सघर्षरत है। सम्पूर्ण समाज की उन्नति और विकास के बिना किसी व्यक्ति विशेष उन्नति और विकास भी अधुरा ही है। समाज का विकास एक व्यक्ति से नहीं अपित उसके समस्त व्यक्तियों से जुडा होता है।

जब तक समाज का प्रत्येक व्यक्ति अपने व्यक्तिगत लाभ को भुलाकर सामाजिक समरसता की ओर नहीं बढेगा तब तक समाज का कुछ भी कल्याण नहीं हो सकता इसलिए आप सभी से विनम्र निवेदन है कि सबसे पहले व्यक्तिगत लोभ से विमुक्त होकर समाज सेवा में आगे आए और समाज के दबे कुचलों का सहारा बनियें।

हम सुधरेंगे, जग सुधरेगा।

सम्पादकः- रामशंकर तेली ऐडवोकेट
मो0- 9451403835

भरोसा उन पर करो जिसका ख्याल तब भी वैसा रहें जब आपका वक्त बदल जाए।

राम नरायन साहू भाषण (राज्य सभा)

श्री राम नरायन साहू का दिनांक 12-03-2007 को राज्य सभा मे दिया गया अभिभाषण

जरा बात सुनिए, देखिए ,पहली गाड़ी 1854 में चली थी, मुम्बई से थाणे तक और सन् 1947 में जब देश आजाद हुआ , उस पीरियड में कितनी लाइनें बनी हैं, कितना बड़ा काम हुआ था और साठ साल के पीरियड के अंदर , जिसमें अधिकांश कांग्रेस ने राज किया है, उसके अंदर कितनी रेल लाइनें बनीं है? आप ratio निकालकर देख लीजिए। मंत्री जी, आप बैठे हैं।

आपके पास बड़े अधिकारी आई.ए.एस. वगैरह हैं, निकलवाकर देख लीजिए।

अब दूसरी बात पर आता हूँ।...'व्यवधान'...

श्री उपसभापति : अभी दूसरी बात में ही है आप?

श्री राम नारायण साहू : एक प्वाइंट ।

श्री उपसभापति : एक प्वाइंट बस।

श्री राम नारायण साहू : ऐसा है, एन.डी.ए के टाइम में एक प्रापोजल था कि लखनऊ के गोमती नगर के अंदर एक बड़ा सा नया स्टेशन बनाया जाएगा, जैसे यहाँ दिल्ली के बाद नई दिल्ली है ,निजामुद्दीन है। मुम्बई में मुम्बई है, बांद्रा है, कुर्ला है। इस तरीके से गोमती नगर के लिए प्रापोजल था। गोमती नगर से अगर गाड़ियाँ छूटें , तो जो चारबाग स्टेशन पर जो सबसे ज्यादा भीड़ होती है, वह भीड़ भी कम हो जाएगी और उसके साथ ही लगा हुआ सुझाव

यह है कि वहां...'व्यवधान'....

श्री उपसभापति : आप चिट्ठी में क्यों नहीं लिख देते ये सब प्वाइंटस है?

श्री राम नारायण साहू : प्वाइंटस मैं कई बार लिख कर दे चुका हूँ । ये ग्यारह और बारह नंबर प्लेटफॉर्म की जो बात है, यह मैनें कई बार लिखकर दिया है, लेकिन अब किया है, उसका स्वागत है। दूसरी बात , मैं एक सुझाव देना चाहूंगा. ...'व्यवधान'...

श्री लालू प्रसाद : आपके ही कहने पर और आपकी उम्र का ख्याल करके हमने इसे बारह नंबर प्लेटफॉर्म पर रूकवा दिया है।

श्री राम नारायण साहू : अरे आपको भी इस उम्र में पहुँचना है। अभी से इंतजाम कर लिया है आपने , ज्यादा अच्छा है। तो ऐसा है.... 'व्यवधान'...

श्री उपसभापति : आपका प्वाइंट हो गया, आप समाप्त कीजिए।... 'व्यवधान'...

श्री राम नारायण साहू : बस एक प्वाइंट और है । एक प्वाइंट और बोलने दीजिए। लखनऊ में एक मल्हौर स्टेशन है , वहां से एक ट्रेन जाती है चारबाग के लिए और एक ट्रेन जाती है गोमती नगर , बादशाह नगर, सिटी स्टेशन... 'व्यवधान'...

श्री उपसभापति : श्री तारिणी कांत राय आप बोलिए।

श्री राम नारायण साहू : और राम नगर, तो उसमें डेढ़ घंटे का समय लगता है। ... 'व्यवधाान'...

श्री उपसभापति : साहू साहब, आप समाप्त कीजिए। .... 'व्यवधाान'...

श्री राम नारायण साहू : अगर वह ट्रेन चारबाग स्टेशन पहुँचा दी जाए, तो ज्यादा फायदा होगा और गोमती नगर से टच करती हुई जाए। अगर ऐसा हो तो... 'व्यवधान'....

श्री उपसभापति : नहीं, नहीं, अब हो गया। आप मेहरबानी करके चिट्ठी लिखकर भेज दीजिएगा।... 'व्यवधान'...

श्री राम नारायण साहू : अच्छा सर , बहुत- बहुत धन्यवाद! आपने मुझे बोलने को मौका दिया, लेकिन मुझे माफ कीजिए मेरे साथ अन्याय हुआ है।

-क्रमशः अगले अंक में

सामाजिक उत्थान के लिए, आपसे किये गये प्रश्न ?

हम सभी की यह चाहत स्वाभाविक है कि आप अपने परिवारजनों, मित्रों एंव समाजबन्धुओं के बीच लोकप्रिय बनें। क्या दुनिया में ऐसा कोई व्यक्ति है जिसे सामान्य बातचीत न करनी पड़ती हो? एक अच्छा मनुष्य बनने के लिए, प्रभावकारी पहचान रखने के लिए वार्तालाप कला महत्वपूर्ण स्थान रखती है। कुछ लोग दिल के बुरें नहीं होतें है परन्तु कड़वी बात करने की वजह से आलोकप्रिय हो जाते है। ऐसे लोगों के लिए स्वयं का विकास करना व इनके द्वारा समाज का विकास होना एक दिवास्वप्न ही बनकर रह जाता है । जो लोग समाज को जाग्रत विकसित एवं उत्थान की ओर ने जाने के लिए संकल्पित हैं उन्हें तो इन बिन्दुओं पर विशष घ्यान देना होगा।

क्या आप मुस्करा कर सबसे मिलते हैं ?

ईश्वर ने दुनिया की सबसे महंगी वस्तु इंसान को मुफ्त में ही दे डाली है मुस्कान, जिसमें हम बड़ी कंजूसी कर लेते हैं। सदैव एक मधुर मुस्कान ओढ़े रखिये फिर देखिये सफलता और सम्बन्ध किस तेजी से बढ़ते है ? आप अत्यन्त लोकप्रिय और प्रसन्नचित व्याक्ति के रूप में प्रसिद्ध होते जायेंगें। मुस्कराहट से आप तनाव मुक्त रहेंगे। आपके सम्पर्क में आने वाले अथवा आपके द्वारा सम्पर्क करने वाले सभी जनों के जीवन में, व्यवहार में अद्वितीय परिवर्तन आने लगेगा जिसे देखकर आप चकित हो जायेंगे।

क्या आप दूसरों में रूचि लेते है ?

वार्तालाप करते समय आपका ध्यान दूसरे या दूसरों की ओर होना ही चाहिए। जो भी बातचीत कर रहा है उसके मन में भी यह इच्छा रहती है कि आप उसकी बातों पर ध्यान दें। यदि आप अपनी ही बातें कहते रहेंगे, दूसरे की सुनेंगे भी नहीं तो ऐसी वार्ता का अच्छा प्रभाव नहीं पड़ेगा। बातचीत के दौरान सामान्य प्रतिक्रिया जैसे- अच्छा, बहुत सुन्दर, कब से, कैसे हो गया आदि शब्दों को बीच-बीच कहने ये सामने वाले को लगेगा कि आप उसमें रूचि ले रहे हैं।

क्या आप दूसरों की सहज प्रशंसा कर पाते हैं ?

यदि आप किसी को पसन्द नहीं करते है और वे आपको समूह में मिल जायें तो उसके साथ भी सामान्य शिष्टाचार के नियमों का पालन करें। अनावश्यक रूप से चुभने वाले कटाक्ष व उपेक्षा न करें। अक्सर जिसे स्वयं को चतुर समझते हैं। उन्हें सामने वाले को हराकर, उनकी बात काटकर एक अजीब सा सुकून मिलता है लेकिन ऐसे लोग ही समाज में बहुत ही अलोकप्रिय होते हैं। सामाजिक संगठन का कार्य तो ऐसे लोगों द्वारा करना संभव ही नहीं है अत: बातचीत को प्रतिष्ठा और हार-जीत का प्रश्न न बनायें। यदि किसी की कोई बात आपको अच्छी लगी हो तो बिल्कुल सहज भाव से और कम शब्दों में प्रशंसा करें। याद रखों सच्ची प्रशंसा व्यक्ति कभी नहीं भूल पाता है परन्तु झूठी प्रशंसा या मक्खनबाजी पकड़ में आ जाती है। अत: इससे बचें।

क्या आप दूसरों के नाम याद रखते हैं ?

व्यक्ति को हमेशा अपने नाम से बहुत मोह रहता है। यदि आप किसी महत्वपूर्ण व्यक्ति से सिर्फ एक बार मिले हैं और अपने अपना परिचय उन्हें दिया है। यदि कुछ दिनों बाद वो अचानक आपको कहीं मिलते हैं और उन्हें आपका नाम याद है तो आप प्रफुल्लित हो उठेंगे। अरे! इन्हें मेरा नाम याद है। नाम की महिमा अद्‌भुत है इसमें प्रत्येक व्यक्ति की खुशी निहित है। समाज में जितने ज्यादा आप नाम याद रखेंगे, उतने ही ज्यादा आपके मित्र बढ़ेंगे।

क्या आप बार-बार वही बातें दोहराते हुये 'मैं' शब्द का प्रयोग ज्यादा करते हैं ?

कई लोगों को एक ही बात बार-बार दोहराने को आदत होती है। सुनने वाले भी अपना धैर्य खो बैठते है। अपनी बात को संक्षेप में, एक बार में पूर्ण प्रभाव के साथ कहना चाहिए। समय का अभाव सभी के पास रहता है। कई लोगों की आदत होती है की वे सारी दुनिया को लेकर अपने में समेट लेते है। मैंने सोचा, मैंने कहा, मैं तो पहले से ही जानता था, मैं तो हमेशा कहता था आदि शब्दों से बचें। दूसरों को भी सांस लेने की जगह दें। यह मैं शब्द आपको अलोकप्रिय और विवादित बनाने का मुख्य कारण बन सकता है। आप अपने 'मैं' को 'हम' में बदलिये।

क्या आपकी जिम्मेदार व्यक्ति की छवि है ?

अपनी कही हुई बातों की जिम्मेदारी लीजिये। यदि आपने किसी से कहा है कि मैं आपको दस बजे अमुक जगह पर मिलूँगा और आप नहीं जा रहे है तो उस व्यक्ति को पूर्व में ही सूचना दीजिये या नहीं पहुंच पाने के लिए क्षमा मांगियें। दूसरों के समय की भी कीमत समझिये। ऐसे व्यवहार से आपकी छवि जिम्मेदार व्यक्ति वाली बनेगी। जो बात आपको पसन्द न हो या जो काम आप नहीं चाहते हों उसके लिए स्पष्ट होकर विनम्रता से नहीं कहें। यस मेन बनने का प्रयास न करें। हर बात में हां में हां मिलाने वालों की सामाजिक प्रतिष्ठा कम होती है और वो चाटुकार कहलाने लगते हैं। जो कार्य आप नहीं कर सकते हैं या आपका मन उस कार्य हेतु सहमत नहीं है उसे उसी वक्त अस्वीकार कर देने से आपकी छवि एक स्पष्टवादी, सैद्धान्तिक और दृढ़ व्यक्ति की बनेगी।

क्या आप ज्यादा बोलते हैं और कम सुनते है ?

ईश्वर ने आपको एक मुँह और दो कान इसलिए दिये हैं कि आप जितना बोलें उससे दुगना सुनें। ज्यादा बड़बड़ाने वाले लोग अपना प्रभाव जल्दी खो देते हैं। कई लोगों को इतना बढ़ा चढ़ा कर बोलने की आदत होती है कि वे तुरन्त भांप लिए जाते है। लोग भले ही निंदा मुँह पर न करें परन्तु पीठ पीछे से सबके मजाक के पात्र बनते हैं। कहा जाता है- मौन रहने से मूर्ख भी विद्धान की श्रेणी में आ जाते हैं।

व्यक्तिगत आधार और धर्म, राजनीति पर व्यंग्य न करें।

किसी की शारीरिक या व्यक्तिगत कमी का मजाक न उड़ायें। व्यक्ति भले ही मुस्करा देता है परन्तु उसके दिल पर गहरा आघात होता है। गरीबी, अशिक्षा जैसी मुद्दे पर किसी को चोट न पहुँचायें। धर्म व राजनीति को कुतर्को व आलोचना से दूर रखें। यदि वार्ता ही करनी हो तो इनके उज्ज्वल पहलुओं पर करें।

जितेन्द्र माथुर
प्रधान सम्पादक

योग्य वर-वधू के लिए सम्पर्क करें

साहू वी० पी० जायसवाल
एच० एस० 1/48, सेक्टर-ए
सीतापुर रोड स्कीम, लखनऊ
Mobile : 9415765495, 09005178541
E-mail : sahumatrimonial@rediffmail.com

स्नेही शिव शंकर गुप्ता
बी-2122, इन्दिरा नगर, लखनऊ
Mobile : 9450219446
E-mail : admin@sahuvaish.matrimonial.org

कामता प्रसाद कोल्ड स्टोरेज प्रा. लि.
हरदासपुर खुर्द, दुल्लहपुर, जिला-गाजीपुर : फोन : 05495-233978

नीलकण्ठ फिलिंग स्टेशन
दुल्लहपुर, जिला-गाजीपुर, फोन : 05495-233878

नीलाम्बर पेट्रोलियम
मेह नगर, आजमगढ़

नीलकण्ठ एग्रो इन्डस्ट्रीज
हरदासपुर खुर्द, जलालाबाद, गाजीपुर, फोन : 05495-233978

नीलकण्ठ एच.पी. ग्रामीण गैस वितरक
जलालाबाद, गाजीपुर, फोन : 05495-233678

महा कालेश्वर फिलिंग स्टेशन
शंकरपुर, ओड़राई-गाजीपुर

नीलकण्ठ कम्प्यूटर धर्मकांटा
हरदासपुर खुर्द, जलालाबाद, गाजीपुर

महा कालेश्वर एग्रो इण्डस्ट्रीज
हरदासपुर खुर्द, दुल्लहपुर, जिला-गाजीपुर : फोन : 05495-233778

जै किशन साहू

पूर्व उपाध्यक्ष- खादी ग्रामोद्योग बोर्ड (उत्तर प्रदेश सरकार)।

राष्ट्रीय वरिष्ठ उपाध्यक्ष : भारतीय तैलिक साहू राठौर महासभा।

प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य : समाजवादी पार्टी उ0प्र0।

कार्यालय : शुभम थियेटर बिल्डिंग, कैण्ट रोड़ कैसरबाग, लखनऊ।

सम्पर्क : 0522-2628182 (कार्यालय) : 0522-4004192 (फैक्स)

निवास : ग्राम व पोस्ट - जलालाबाद, जनपद-गाजीपुर-275202

मोबाइल : 9415241047, 9451177436, 9670628496

प्रेरणा

हर व्यक्ति के जीवन में एक समय ऐसा आता है, जब उसे लगता है कि सभी चीजें उसके विराध में हैं और वह कितना ही अच्छा क्यों न कर ले, लेकिन उसके हाथ असफलता ही लगेगी। ऐसे समय में व्यक्ति के मन में नकारात्मक विचारों का मेला उमड़ पड़ता है। ऐसी मनोदशा में व्यक्ति आत्महत्या करने तक की सोचने लगता है। आत्महत्या किसी भी समस्या का समाधान नहीं हैं, बल्कि ऐसे समय में व्यक्ति को कहीं से छोटी-सी प्रेरणा मिल जाए, तो यह संभव है कि वही व्यक्ति भविष्य में ऐसा इतिहास रच दे कि लोग दांतो तले अंगुली दबाने लगी। जब हम किसी को प्रेरित करते है, तो उसका आत्मासम्मान बढ़ जाता है। इस वजह से व्यक्ति असंभव लगने वाले कार्य को भी संभव कर देता है। असल में हर व्यक्ति की अपनी सीमाएं और क्षमताएं होती हैं, लेकिन कई बार जीवन में विपरीत स्थिति आने पर व्यक्ति को अपनी क्षमताओं पर ही शंका होने लगती है। क्षमता होने के बावजूद उसे अपनी सफलता संदिग्ध नजर आती है। ऐसी स्थिति में उसे यह प्रेरणा मिले कि वह संबंधित कार्य को सफलतापूर्वक कर सकता है, तो यकीन मानिए कि कार्य की पुर्ण सिद्धि के लिए वह अपनी पूरी ताकत लगा देगा।

रामायण में हनुमान जी को उनका बल याद दिलाने पर वे पूरा पहाड़ उठा ले आए थे। स्वामी विवेकानंद कहते है कि अगर तुम ठान लो, तो कोई भी कार्य असंभव नहीं है। तुम महात्मा बुद्ध बनना चाहोगे, तो वही बन जाओगे। कोई व्यक्ति बाह्य कारणों से भी प्रेरित होकर उत्कृष्ट कार्य कर सकता है, लेकिन व्यक्ति की भीतरी प्रेरणा कुछ समय के लिए ही होती है, पर जब व्यक्ति अपने अंतर्मन से प्रेरित होकर कार्य करता है, तो वह न केवल लंबे समय तक टिकाऊ होती है, बल्कि उसके परिणाम हमेशा अच्छे होते है। आंतिरिक प्रेरणा प्राप्त करने का सबसे सरल उपाय यह है कि जब भी आप अपाने जीवन से निराश-हताश हों, तब उन क्षणों को याद करना चाहिए, जब आपने बहुत अच्छा काम किया हो। किसी व्यक्ति की आंतरिक प्रेरणा तभी जाग्रत होगी, जब उसे अपना लक्ष्य मालूम होगा। समुद्र किनारे खड़ा जहाज सुरक्षित होता है, पर क्या उसे बनाने का उद्देश्य यही है? जहाज की तरह हर व्यक्ति को अपना एक उद्देश्य बनाना चाहिए। जब लक्ष्य होगा, तभी चुनौतियाँ भी होंगी। हालांकि लक्ष्य हमेशा बड़ा होना चाहिए, लेकिन उसे छोटे रूप में शुरू कीजिए। छोटी-छोटी कामयाबियां ही आपके लक्ष्य तक पहुंचाएंगी।

डा0 उमेश नन्दलाल साहू
राष्ट्रीय कार्यवाहक अध्यक्ष
मो0 : 9422114433

कामयाबी

**कामयाबी हौसलों से मिलती है
हौसले दोस्तों से मिलते है
दोस्त किस्मत से मिलते है
मनुष्य अपने भाग्य का र्निमाता
स्वयं है**

जब दुसरों को समझना मुस्किल हो जाय, वहाँ से खुद को समझालेना बेहतर होता है।

मा0 तै0 साहू राठौर जिन्दाबाद।
राम नरायन साहू जिन्दाबाद !

महात्मा गांधी अमर रहें !
साहू समाज जिन्दाबाद !

अरविन्द गांधी (एडवोकेट)
सपा नेता

राष्ट्रीय महामंत्री (संगठन)
भारतीय तैलिक साहू राठौर महासभा
प्रदेश संयोजक- भारतीय वैश्य चेतना महासभा, उ0प्र0
प्रदेश उपाध्यक्ष
अखिल भारतीय उद्योग व्यापार मण्डल उ.प्र.
प्रदेश संयोजक
जन सेवा केन्द्र एसोसिएशन, उ0प्र0
पूर्व सांसद प्रतिनिधि :
मा0 राम नरायन साहू जी
(पूर्व राज्यसभा सदस्य)
सदस्य : जिला उद्योग/व्यापार बन्धु बलिया
सदस्य : जिला पशुक्रूरता निवारण समिति, बलिया
सदस्य संरक्षक मण्डल : (चेतना संदेश, पत्रिका)
मो0 : 9415813210, 7524827700
कार्यालय : भारतीय तैलिक साहू राठौर महासभा
शुभम थियेटर बिल्डिंग, कैन्ट रोड, कैसरबाग, लखनऊ
E-mail : gandhiballia@gmail.com
E-mail: bhartiyatailikmahasabha@gmail.com
facebook : Arvind Gandhi, ballia

मोहनलाल गुप्ता, राष्ट्रीय सचिव
भारतीय तैलिक साहू राठौर महासभा

उप मुख्यमंत्री श्री केशव प्रसाद मौर्य को बधाई देते हुए मोहनलाल गुप्ता।
।

के जन्म दिवस 1 मई को माननीय प्रधानमंत्री, श्री नरेन्द्र मोदी जी द्वारा शुभकामना संदेश।

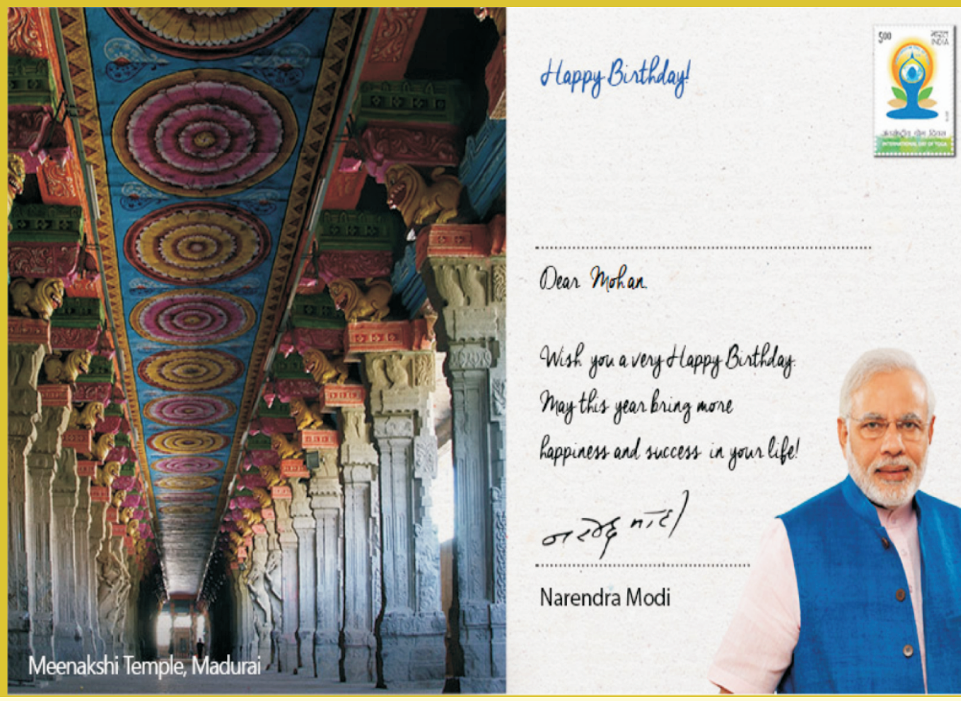

उप मुख्यमंत्री श्री केशव प्रसाद मौर्य को बधाई देते हुए

कैबिनेट मंत्री श्री आशुतोष टंडन जी के साथ।

श्री राम नरायन साहू, पूर्व सांसद व विधायक संगम लाल गुप्ता के साथ।

श्री राम नरायन साहू, पूर्व सांसद श्रीमती पारूल साहू, विधायक, श्री नरेन्द्र साहू प्रदेश अध्यक्ष, म0प्र0 व श्री रामऔतार साहू, प्रदेश अध्यक्ष उ0प्र0 के साथ।

राजेश साहू

राष्ट्रीय मीडिया प्रभारी

भारतीय तैलिक साहू राठौर महासभा उ0प्र0

जिलाध्यक्ष-राष्ट्रीय राज्य कर्मचारी महासंघ।

संयुक्त मंत्री-राज्य कर्मचारी संयुक्त परिषद,उ.प्र.

प्रचार मंत्री -आई.ई.टी. कर्मचारी एसोशिएशन, सीतापुर रोड, लखनऊ उ.प्र.

कार्यालय : बी-4, दारूलशफा, लखनऊ (उत्तर प्रदेश) मोबाइल : 9453973001

उप मुख्यमंत्री श्री केशव प्रसाद मौर्य को बधाई देते श्री राम नरायन साहू, पूर्व सांसद।

गुजरात–वापी के कार्यक्रम मे श्री एस.पी. गुप्ता संगठन मंत्री का स्वागत करते दमन एवं दीव के प्रदेश अध्यक्ष श्री संजय शाह।

कानपुर के सामुहिक विवाह मे सम्मानित मंच पर मुख्य अतिथि संस्था के राष्ट्रीय अध्यक्ष व अन्य पदाधिकारी।

लखनऊ की प्रांतीय बैठक का सम्मानित मंच व सम्बोधन करती संस्था की राष्ट्रीय महिला उपाध्यक्ष डा0 आशा गुप्ता।

म0प्र0 मे राष्ट्रीय अध्यक्ष का स्वागत करती मा0 विधायक, श्रीमती पारूल साहू।

कैसा हो भारतीय शिक्षा का स्वरूप

आजादी के बाद से लेकर अब तक गंगा–यमुना में न जाने कितना पानी बहा, भूचाल आये, उलटफेर हुए परन्तु शिक्षा में कोई क्रांतिकारी परिवर्तन नहीं आया उलटे हम विनाश की ओर अग्रसर हुये और दिन प्रति दिन हम गर्त की ओर ही बढ़ते दिखवाई पढ़ रहे है।

शिक्षा के बारे में पहले चिन्तन होता था, फिर चिंता होने लगी अब शिक्षा को चिता की ओर ले जाने की तैयारी चल रहीं है। प्रदेश के सत्तासीनों और शिक्षा विभाग के अधिकारियों की सड़ी गली, स्वार्थमयी सोच पर कितना जबरदस्त करारा प्रहार किया उन्होंने। उनका यह सत्य सत्तासीनों और अधिकारियों को भले ही नागवार गुजरा हो परन्तु उन्हें यह ध्यान रखना होगा कि सत्य परेशान हो सकता है, पराजित नहीं।

शिक्षा चिता की ओर न जाये इस ओर हमें सम्यक् चिंतन करना होगा। हमें शिक्षा का ऐसा स्वरूप खड़ा करना होगा जो मनुष्य के दिव्यित्व के सभी पहलुओं को ध्यान में रखकर चले। उसे केवल व्यक्ति या केवल भारतीय या केवल मानवीय ही न बनाए अपितु उसे विश्वनियन्ता के असीम करूणामय प्रतिनिधि के रूप में स्वाभाविक रूप से विकसित करे। इसके लिए हमें शिक्षा का खण्डदर्शन नहीं अखण्ड दर्शन चाहिए। विदेशों में या विदेशों की धरती से लौटकर आये देशी लोगों न खण्डदर्शन को सत्य के रूप में स्वीकार कर जो भारी भूल की, उसी का नतीजा है कि एक सम्प्रदाय के लोगों की शेष सम्प्रदायों के प्रति एक वाद के लोगों की शेष वादों के प्रति, एक राजनीतिक दल के लोगों की शेष दलों के प्रति असहिष्णुतापूर्ण, शत्रुतापूर्ण प्रवृत्त्यिां रहती हैं। खण्ड दर्शन के कारण ही मजदूरों का मालिक के प्रति, विज्ञान का धर्म के प्रति टकराव दिखवाई पड़ते है विदेशी शिक्षा पद्धति ऐसे ही बौने मानवों का निर्माण कर रही है। वह अपनी संकीर्ण सोच के चलते राम, कृष्ण, बाल्मीकि, व्यास, कालिदास, चाणक्य, विवेकानन्द, अरविन्द जैसे विराट पुरूषों का निर्माण कर ही नहीं सकती। खण्ड दर्शन को सत्य मानने वाले लोग पेट भरने को ही जीवन का लक्ष्य मानने वाले घटिया मनुष्यों का निर्माण कर सकते हैं। उत्तम नागरिकों का निर्माण इनके वश की बात नहीं। ये ऐसे कुछ बिंदु हैं जहाँ पर भारतीय शिक्षा विदेशी शिक्षा से भिन्न दिखवाई पड़ती है।

शिक्षा की व्यवस्था करने का दायित्व जिनके कंधों पर है उनमें से अधिकांश प्रबंधक समितियों के प्रबंधक अशिक्षित हैं। अगर शिक्षित भी हैं तो शिक्षा से उनका दूर दूर तक कोई वास्ता नहीं। अधिकारियों की जी हजूरी करना, चाटुकारिता करके अपने धनों –पार्जन का लक्ष्य पूरा करना यही उनका उद्देश्य है। रही बात प्रधानाचार्यो की उनमें भी राष्ट्र जीवन में शिक्षा के द्वारा कुछ तेजस्वी योगदान करने की प्रेरणा के स्थान पर वही घिसी पिटी लकीर के आस पास घूमते रहने की आदत है। संसार का सबसे बड़ा आश्चर्य है कि शिक्षालय हैं, शिक्षक हैं, प्रधान शिक्षक हैं, शिष्यगण हैं, शिक्षा विभाग के अधिकारी हैं, मंत्रालय हैं परन्तु शिक्षा नहीं है।

कुछ शिक्षाविद् और शिक्षाधिकारी तथा राजनेता शिक्षा को रोजगार से जोडने का नारा जोर शोर से लगाते हैं। शिक्षा का उद्देश्य यही पेट भरना है तो वह शिक्षा ही नहीं। मामूली कक्षा 4 या 5 उत्तीर्ण लोग व्यापार और उद्योग में इतने बढ जाते हैं कि न जाने कितने एम. बी. ए. उनके यहाँ रोजगार पाने के लिए चक्कर लगाते हैं। ऐसे अशिक्षित उद्योगपतियों और व्यापारियों के पास जाकर पूछो कि उनके मन में शिक्षा के प्रति कितनी प्यास है रोजगार की पढ़ाई पढ़नी है तो उसके लिए 15 वर्ष का समय पर्याप्त है। बाद में वे खुद अपने कार्य में निपुण होते जाते हैं।

शिक्षा का अर्थ है – स्वाभाविक क्षमताओं का उत्तम विकार। शिक्षालयों में भविष्य का मानव ढाला जाता है। सत्ताधीशों, राजनीतिज्ञों, प्रशासनिक अधिकारियों और धनपतियों को विद्यालय में प्रवेश करते समय यह ध्यान रखना होगा इन सरस्वती मंदिर के सामने

Bharatiya Tailik Sahu Rathore Mahasabha

National Conference

2017 September 16, 17 at Thiruvananthapuram Kerala

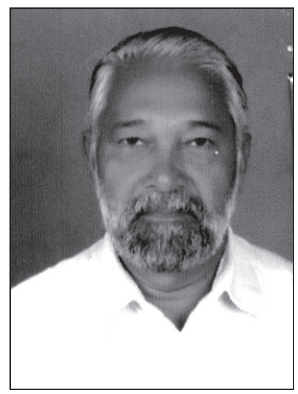

Ram Narayan Sahu
National President
Bhartiya Tailik Sahu Rathore Mahasabha

K. Ranganathan
State President, Kerala
Bhartiya Tailik Sahu Rathore Mahasabha

Head Office :
Shubham Theater Building, Cantt. Road, Kaiserbagh, Lucknow (U.P.) Ph. : 0522-2628182

Regional Office :
Thunchan Gramam, Chakkala Bhavan, Venpakal
P.O. Thiruvananthapuram Dist. Kerala Pin.695123 Ph. : 944692119
email : thunchangramam@gmail.com

ज्ञान के उँचे शिखर भी विनम्र हो जाते हैं, यहाँ कर्मठता, विद्वता और भावना की त्रिवेणी में शिष्य स्नान करते हैं। यहाँ शांति और स्वायत्तता चाहिए। आफीसरज्म और सत्ता की धमक नहीं। वे यह मत भूलें यहाँ संस्कृति की सरस्वती प्रवाहित होती है जिसके सामने सत्ता, धन अहंकार और मदिरा धाराओं का कोई महत्व नहीं।

ये 35 और 40 मिनट की बेलायें सरस्वती मां का वांछित चित्र प्रस्तुत नहीं कर सकती और न विषयों की संख्या और अनिवार्यता ही स्वाभाविक क्षमताओं का विकास कर सकती हैं कितनी हस्यास्पद स्थिति है यहाँ शिष्य अपने आचार्य से जब चाहे अपनी ज्ञान की पिपासा शांत करे। जितना चाहे उतना पढ़े। क्या पाठ्यक्रम से बाधित कर देने उसकी क्षमताओं का विकास हो सकेगा क्या? सबको एक पाठ्यक्रम से हांकने का विचार, वह भी भारत में, किसके मस्तिष्क मे आया और किसने लागू किया और अब तक वह कैसे चल रहा है, यह स्थिति हास्यास्पद नहीं तो और क्या। और हम रात दिन शिक्षा प्रणाली, रटे जा रहें है क्या हम छात्रें के साथ खिलवाड़ नहीं कर रहे हैं ? विषयों को अनिवार्य कर देना छात्रों की स्वाभाविक क्षमताओं के विकास में बाधक है कि नहीं। मान लीजिए गणित कम्पलसरी है। यदि किसी छात्र को गणित नहीं आता तो उसे आगे बढ़ने देना चाहिए क्या? वह अन्य विषयों मे भी पारंगत हो सकता है। हम उसकी क्षमताओं पर ब्रेक लगाकर उसके जीवन में ही ब्रेक नहीं लगा देते हैं क्या ? क्या ये व्यवस्थाएं क्रुर नहीं हैं।

आइये संकल्प लें कि अब हम आंदोलन खड़ा करें इस बात का कि भारत में ऐसे शिक्षा प्रणाली विकसित हो जो डिग्री और प्रमाण पत्रों को लेकर बेरोजगारों की पंक्ति में खडे करने वाले नवयुवकों का निर्माण न करे ऐसे युवकों का जो गम्भीर ज्ञान, उत्तम शारीरिक एवं मानसिक गुण–सम्पत्ति तथा महानशील से युक्त हों।

मेवा लाल साहू
अंति० महामंत्री, ग्वालियर
मो0- +91 8959136903

प्रार्थना

प्रार्थना में असीम शक्ति है।
प्रार्थना नम्रता की पुकार है
आत्मशन्ति का, आत्मनिरीक्षण
का आहवान है।
प्रार्थना धर्म का प्राण और सार है।
प्रार्थना के बिना भीतरी शान्ति नहीं मिलती।
दिन को काम प्रार्थना से शुरू कीजिए और उसमें इतनी
आत्मा उंडेलिए कि वह शाम तक आपके साथ बनी रहे।
प्रार्थना अपनी योग्यता और दुर्बलता को स्वीकार करना है।
प्रार्थना और सदिच्छापूर्ण प्रयत्न कभी व्यर्थ नहीं जाता और
मनुष्य की सफलता ऐसी ही कोशिशों पर निर्भर करती है।
नतीजा तो भगवान के हाथ है।
प्रार्थना ही आत्मा की खुराक है।
ईश्वर को पत्र लिखने में न कागज़ चाहिए, न कलम-
दवात, न शब्द। उस पत्र का नाम है प्रार्थना, पूजा।
प्रार्थना का अर्थ ही सदाचार होना चाहिए।
जब तक जीव-मात्र के साथ एकता महसूस न हो, तब तक
प्रार्थना, उपवास, जप-तप थोथी बातें हैं।
प्रार्थना या भजन जीभ से नहीं, हृदय से होता है। इसीसे
गूँगे, तोतले और मूढ़ भी प्रार्थना कर सकते है।
जहां प्रत्यक्ष कर्म सामने आकर उपस्थित हो जाए, वहां
प्रार्थना उसी कर्तव्य में समा जाती है।
प्रार्थना में विभाजन नहीं हो सकता। वह सबके लिए
सर्वधर्म-अनुयायियों के लिए है।
प्रार्थना याचना करना नहीं है, वह तो आत्मा की पुकार है।
स्तुति, उपासना, प्रार्थना अन्धविश्वास नहीं,
बल्कि उतनी अथवा उससे भी अधिक सच बातें हैं
जितना की हम खाते हैं, पीते है।

मोहनलाल गुप्ता
रा0 सचिव, लखनऊ
मो0 9415576867

+ माँ गायत्री हास्पिटल +

डा. वी.के.साहू

डा. योगेन्द्र साहू

मुकेश कु.साहू

माँ गायती हास्पिटल एवं ट्रामा सेन्टर

ISO 9001 : 2008 द्वारा प्रमाणित हास्पिटल

इमरजेन्सी सेवा 24 घण्टे उपलब्ध

माँ पार्वती डायग्नोस्टिक

उपलब्ध सेवायें

- अल्ट्रासाउन्ड, एक्सरे, पैथालॉजी, E.C.G. व समस्त प्रकार के टीकाकरण।
- शुगर, चेस्ट, पेट, लीवर, गुर्दे, पेशाब, ब्लड प्रेशर आदि का इलाज योग्य डाक्टरों द्वारा।
- आधुनिक विधियों द्वारा समस्त प्रकार के आपरेशन बिना चीरा टाँका दूरबीन विधि द्वारा एवं प्लास्टिक सर्जरी द्वारा ।
- महिलाओं से सम्बन्धित-प्रसव (डिलीवरी), बाँझपन, नसबन्दी, मल्टीलोड आदि की सुविधा व परिवार नियोजन सम्बन्धित जानकारियाँ।
- नवजात शिशुओं के लिये वारमर एवं फोटोथिरेपी (पीलिया कम करने की मशीन) की सुविधा उपलब्ध।

डा. वी. कुमार साहू कन्सलटैन्ट फिजीशियन (प्रबन्धक)

बी.-515 हंसपुरम, (एस.जे.इण्टर कालेज पुलिया), चन्दन धर्म काँटा के सामने,
हमीरपुर रोड, नौबस्ता, कानपुर-208027
सम्पर्क करें
हास्पिटल : 9838001016, फैक्स - 0512-2626127
मो.9839931015, 9235735427
ईमेल : maagayatrihospital515@gmail.com

राजनैतिक सक्रियता से विकास में गतिशीलता आयेगी।

आज के समय में यह साबित हो चुका है कि विकास के सभी ताले राजनीति से ही खुलते हैं। राजनीति में जिसकी अधिक पकड़ होगी, उसकी उतनी ही विकास की गति तेज होगी हम सर्व समाज में देख सकतें है।

जीवन का ऐसा कोई पक्ष नहीं बचा है। राजनीति से प्रभावित न हो। हम इसे स्वीकार करें या न करें, पर यह सच्चाई है। हमारा समाज मूलतः व्यापारी है। लेकिन विगत एक दशक से हमारा शिक्षा पर विशेष ध्यान दे रहा है। जिसके परिणम स्वरूप हमारे समाज के बच्चे सरकारी नौकरी और विशेषज्ञता में तेजी से बढ़े हैं। सामाजिक व राजनीतिक क्षेत्र में भी समाज में जागरूकता आयी है। जिसके कारण देश के हर प्रान्त और जनपद में जातीय संगठन खड़े हो गये हैं। कुछ लोग राजनीति में रूचि दिखाते हुए विभिन्न राजनीतिक दलों से जुड़ गए है। लेकिन समाज मे ऐसे लोगों की संख्या बहुत कम है जो बड़े चुनाव लड़ सके। इसकी संख्या कम होने के मूल में यह है कि हमारी संख्या कम है जो बड़े चुनाव लड़ सके। हमारा समाज राजनीति के प्रति उदासीन है। राजनीति के प्रवृत्तियों से वाकिफ नहीं है या राजनीति की ताकत को नहीं समझता है या राजनीति के जोखिम को उठाना नहीं चाहता।

प्रायः बन्धु कहते है कि हमें राजनीति से क्या मतलब है ? राजनीति हमारे बस कि बात नहीं है ? राजनीति उच्च लोगों के लिए है ? ये सारे प्रश्न उन लोगों के मस्तिष्क की उपज है जो वास्तव में संकुचित जीवन जीते है सामाजिक सरोकार से दूर रहते है या सामाजिक गतिविधियों से दूर रहते है।

यदि आप राजनीति करते है। पंचायती क्षेत्र से लेकर विधान सभा, संसदीय क्षेत्र का चुनाव लडकर सीट हासिल करते है या किसी पार्टी से मनोनीत होकर स्थान प्राप्त करते है। उसके बाद जब आप प्रशासन में किसी की पैरवी करते है तब आपके बात का जो वजन होता है। वह आपके जन प्रतिनिधि न होने पर वह वजन नहीं होता है। आप समाज के लोंगों की बहुत मद्‌द करते हैं। उनका भला कर सकते है। यदि आप चुनाव नहीं लड़ते हैं। जन प्रतिनिधि नहीं चुने जाते हैं। आप किसी राजनीतिक पार्टी का पदाधिकारी या कार्यकर्ता के रूप में भी समाज में कार्य करते हैं तो आपको जो सम्मान मिलता है प्रशासन आपके बात को जो तवज्जो देता है वह गैर राजनीतिक व्यक्ति को नहीं मिलता है।

इसलिए हम आपसे कहना चाहते है कि आप राजनीति के महत्व को समझें। उसके ताकत को समझें। उसके प्रभाव को समझें। उसकी उपेक्षा न करें। यदि आप खुद राजनीति में आ सकते है तो अपने परिवार के किसी व्यक्ति को लाइये। वह भी नहीं कर सकते है तो समाज का जो भी व्यक्ति राजनीति में है उसका भरपूर सहयोग करे। जिससे वह सफल हो कर समाज की मदद करें।

अरविन्द गांधी
बलिया,उत्तर प्रदेश
राष्ट्रीय महामंत्री (संगठन)
मो0 - 9415813210

समाज बन्धुओं को हार्दिक शुभकामनायें !

भारतीय तैलिक साहू राठौर महासभा की सतत् समृद्धि एवम्मजबूती के लिए नूतन वर्ष 2017 की हार्दिक शुभकामनाएँ।

मोदी राम औतार साहू

प्रदेश अध्यक्ष

भारतीय तैलिक साहू राठौर महासभा,उत्तर प्रदेश

कार्यालय : शुभम थियेटर बिल्डिंग कैण्ट रोड, कैसरबाग,

लखनऊ,उ0प्र0 पिन– 226 001

निवास–साहू एण्ड सन्स मेला मैदान, लखीमपुर खीरी,उ.प्र. पिन – 262701

मोबाइल : 9451236399

ऊँ साँई राम

समाज बन्धुओं को हार्दिक शुभकामनायें !

एस.आर.गुप्ता

B.Pharma

साँई कृपा फार्मेसी

(अंग्रेजी दवाखाना)

उतरठिया बाजार, निकट
यूनाईटेड बैंक ऑफ इण्डिया,रायबरेली रोड, लखनऊ

हमारे यहाँ सभी प्रकार की दवायें उचित मूल्य पर मिलती हैं।

मोबाइल : 9307820643

पछाई रोटी

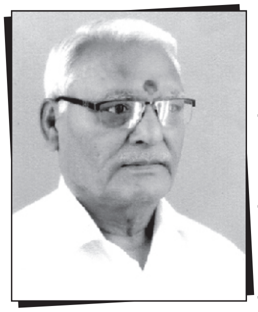

ऐसा सुना है कि, 'बावन बुद्धि बाँनिया' 'तेरपन बुद्धि तेली' शायद आप भी सहमत न हो यह कथन वास्तिविकता से एक दम विपरीत लगता हैं। बुरा न माने तेली में तीन बुद्धि तो अवश्य दिखाई देती हैं। प्रथम अपने से किसी को आगे न बढ़ने देना यानी ईर्ष्या टांग खिचाई दूसरे अच्छे से अच्छे कार्यो में बुराइयां ही देखना व पीठ पीछे आलोचना करना, तीसरा अवधि पार रस्मों रिवाजों को ढोते रहना जिसमें मृत्यू भोज उत्सव भी एक है।

हिन्दू परम्परा में प्रत्येक घर में महिलायें एक-एक रोटी अवश्य बचा कर रखती हैं। लगता है हम सबने यही बचाई रोटी खा रखी है। जब अवसर हाथ से निकल गया होता है तब ही हम में अकल उपजती है हाथ कुछ नहीं लगता है। सभ्यवतः इसी कारण से खास तौर पर सभी समाजों विशषकर ओ० बी० सी० वालों में भी हम ही सबसे पिछड़ गये हैं। यादव, मौर्य,काछी कुर्मी, कुम्हार, कहार, नाई, बारी, माली, धाकण, छीवा, गुर्जर, जाट आदि हमसे बहुत आगे निकल गये हैं। इसका कारण छोटी-मोटी बातों के कारण गांव-गांव में, जाति पंचायत में, कस्बों में शहरों में यहाँ तक कि कथित अखिल राष्ट्रीय कहलाने वाले स्तरों में अपने-अपने स्वः हठ जिद, नाम व अहम के कारण दो-दो तीन-तीन फाड़ मौजूद हैं प्रदेश स्तर पर बीसयों संस्थाये कार्यरत हैं जिनका काम है साल में एक कार्यक्रम भी बडी मुश्किल कर पाना, लेकिन राष्ट्रीय स्तर पर तीन सस्थायें प्रमुख रूप से जिसमें भी एक संस्था ''भारतीय तैलिक साहू राठौर महासभा जिसकी शखायें भारत के चौबीस राज्यों में कार्य करती है और सभी जगहों पर कार्यक्रम आयोजित होते रहते है।

किसी भी स्तर पर एक ही संगठनात्मक ढ़ांचा आज तक नहीं है। केवल आपने नाम के पीछे रहते हैं जब हम समाज हित का काम करेगें तो नाम तो अपने आप हो जाता है।

सभी जानते है कि प्रजातन्त्र में वोट प्रणाली में सर गिन जाते है। इक्यावन मूर्खो के सामनें उन्नचास बुद्धिमानों की नहीं चलती अतः अपना वजूद संख्या बल बताये बिना कोई भी राजनैतिक दल न तो अब तक तेली समाज की परवाह कर रहा है। न आगे करने वाला है, इसमें दोनो का भी दोष नहीं है कमियां हमारे में ही है यह एक अलग बात है कि कुछ खास बन्धुगणों ने स्वम् के प्रयासों से व्यक्तिः अपनी एक स्तरीय व अलग पहचान बनाई है तो वह उनके अपने व्यक्तित्व दमखम व दूरदृष्टि से ही है। उनक जीतने पर हम उनका सम्मान अवश्य कर लेते हैं।

वस्तुतः जब समाज एक ताकत के रूप में खड़ा हो जाता है। तो उनमें नेता तो अपने आप निकलने लगते है। अतः देरी से ही सही व सतत् सोच अब भी बन सकती है यदि हम तनिक भी करवट लें।

आज की परम आवश्यकतायें-

1. प्रथम समय दान :- दान परम्परा में समय दान का ही शिरोमणि स्थान है जीवन की सार्थकता ही देने में है। तो समाज के लिये समय दान ही सर्वोतम है स्वेच्छा से समय दान देतें हैं। कोई वस्तु उपहार स्वरूप कर देने में हम अपना अंश नहीं देते। जो बहन स्वेटर बुन कर भाई को उपहार स्वरूप भेंट करती है तब वह अपना एक अंश (समय) देती है अतः समाज के कार्यक्रमों क्रिया कलापों में आगे चलकर बढ़-चढ़ कर भाग लेते रहने पर निश्चित रूप से हमारा वर्चस्व अस्तित्व प्रकट होने लगेगा।

2. द्वितीय- किसी भी रूप में अर्थवान चाहे क्षमतानुसार न्यून हो या अधिक होना चाहिए क्योंकि किसी भी कार्यक्रम का आयोजन उसको आगे चालू रखने का सिलसिला लगातार कुछ एक व्यक्ति ही क्यों भुगतें। लखनऊ मे बनने वाला हमारा ''साहू राठौर भवन'' समय व अर्थदान का सर्वोतम उदाहरण है। बूदं-बूदं से सागर भी भर जाता है देने से सुख स्थायी होता है पर लेने में क्षणिक। जैन, मारवाड़ी समाज में तो 365 दिन

आप सभी बन्धुओं को हार्दिक शुभकामनाऐं।

भारतीय तैलिक साहू राठौर महासभा
उत्तिष्ठित जागृत

राष्ट्र गौरव

झारखण्ड गौरव

समाज गौरव

विजय लक्ष्मी साहू

महिला प्रदेश अध्यक्ष- भारतीय तैलिक साहू राठौर महासभा,उ0प्र0
प्रदेश कार्यसमिति सदस्य : भारतीय जनता पार्टी, उ0प्र0
निवास- सिविल लाईन्स 739, लक्ष्मी कालोनी, जिला अधिकारी आवास के सामने, फतेहपुर, उत्तर प्रदेश
मो0 : 7309155011, 9125760003
e-mail : vijaylaxmisahu95@gmail.com

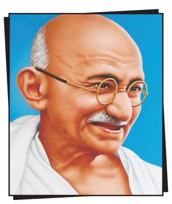

ALL INDIA O.B.C.'S RAILWAY EMPLOYEES ASSOCIATION

North Zone, Workshop Division, Northern Railway
Recognised by : Ministry of Railways, Govt. of India
Affiliated with- All India Other Backward Classes Railway Employees Federation

Finance Secretary :
Sahu Rathore Jankalyan
Samiti

HIRA LAL GUPTA
Ex. Div. Secretary
568K/67, Krishna Palli
Alambagh, Lucknow-226005
Mobile : 09415464619

ही कार्यक्रम चलते रहते है। वे तन मन धन तीनो देते हैं।
3. आजादी के बाद से पिछडे समाज में ही 5 से लेकर 35-45 तक विधायक रहे हैं। पर हमारे समाज से इस बार दो ही विधायक हुए हैं जिसमें एक भा.ज.पा. ने दिया तथा दूसरा अपना दल, भा.ज.पा. समर्थित मतदान के पूर्व तक अपने वोट की की वैल्यू है। पर अखरने वाली बात यह है हमारे चिर सभावित दावेदारों से प्रति समाज की ओर से कोई स्टेटमेन्ट अखबारों के माध्यम से दिया जाता है और न प्रमुख दलों के शीर्ष नेताओं के एक-एक ज्ञापन भेजने, फैक्स करने की जहमत ही नहीं उठा पाते हैं ताकि राजनैतिक दलों के कान खड़े हो और हमारे में सोचें।

इसलिए कहना पड़ता है कि हम लोगो ने पछाई रोटी खा रखी है। जाट समाज में कहा जाता है वोट और बेटी जाट को आखिर हम ऐसा क्यो नहीं सोच सकते हैं।

4.जाति पत्रिकाओं के सदस्य बनें, जाति की चार प्रमुख पत्रिकाएं अनवरत चल रही है 1 चेतना सन्देश लखनऊ उ.प्र. से, 2 तैलिक बन्धु पटना से 3 तैलिक साहू सम्पर्क रायपुर, छत्तीसगढ़ से 4 साहू वैश्य महासभा दिल्ली से, हम सब इन पत्रिकाओं के सदस्य बने। इससे क्षेत्रीय जानकारियों के अतिरिक्त हमारे मानसिक दायरे में वृद्धि होगी जाति में एक जुटता बढ़ेगी बच्चों में लेखन क्षमता तथा रूचि बढ़गी तो उनमे बचपन से ही समाज के प्रति सम्मान रहेगा।

5. प्रचार प्रसार करें -एक कमी जो खलती है वह बार-बार दोहरायी जाती है कि हम छोटे से ले कर बड़े-बड़े आयोजन तक कर डालते हैं परन्तु आज प्रचार-प्रसार का युग होने के बावजूद हमारी गतिविधियाँ समाचार पत्रों की सुखियाँ नहीं बनती आज तो राजनैतिक, सामाजिक कार्यक्रम डेढ़ा करके फोटोज के साथ अखबारों में प्रकाशित कराया जाता है जबकी यहां तो मूल ही गायब हैं। '' जंगल में मोर को नाचते किसने देखा''

6. एक लोकोत्ति है- आगम बुद्धि बाणिया पश्चम बुद्धि जाट तुरन्त: बुद्धि तुरकड़ा वम्मन सम्पट- जाट पर जाट और बृाहम्ण ने तो इस कहावत को गलत सिद्ध कर दिया। हमें भी वास्तव में तरपेन बुद्धि बनकर दिखाना चाहिये तो यह अवरोधों को दूर कर एक आम एकल संगठन से ही संभव है लेकिन यदि ऐका होता है तो अन्य स्थानों पर स्वयमेव अनुसरण होने लगेगा अन्यथा तो अकेला चना कभी भाड़ नहीं फोड़ सकते उ.प्र. में दो विधायक एक एम.एल.सी. राजनीति में सरकार में प्रभावशाली भूमिका नहीं निभा सकते।

अत: अब पछाई रोटी खाना बन्द कर दें।

राम अवतार साहू
प्रदेश अध्यक्ष(उ.प्र.)
मो0 9451236399

~~~

समाजिक कार्यक्रम में जाने के लाभ

आपकी सामाजिक पहचान बनती है।
आपके परिवार की समग्र उन्नित होती है।
आपके बच्चों के बेहतर रिश्ते बनते है।
आपके बेहतर जीवन जीने की चाह पैदा होती है।
इस समाज के पैदा होने के औचित्य को सार्थक बना जाएगे क्या आप को ऐसा नहीं लगता कि आप को अधिक से अधिक लोग जाने।
तो भाइयों वाहिनों सामाजिक संगठनों के कार्यक्रमों मे उपस्थिति दर्ज कराए और सदस्य भी बनें।

-संगीता साहू
नगर कार्यवाहक अध्यक्ष,लखनऊ
~~~

साहू समाज - जिन्दाबाद ! राम नरायन साहू - जिन्दाबाद !!
महात्मा गांधी - अमर रहें !!!

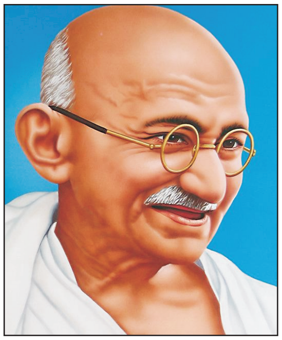
राष्ट्र गौरव

समाज गौरव

साहू ध्रुव कुमार गुप्ता

प्रदेश सचिव - समाजवादी युवजन सभा, उ0प्र0
पूर्व अध्यक्ष छात्रसंघ - मठ लार देवरिया, उ0प्र0
पूर्व जेल विजटर- जिला कारागार, देवरिया,उ0प्र0
राष्ट्रीय युवा सचिव- भारतीय तैलिक साहू राठौर महा0

सौजन्य से :

राधिका इण्टरप्राइजेज

अधिकृत विक्रेता : SOLARISE, बैट्री, इनवर्टर
देवरिया, कुशीनगर

साहू ट्रंसपोर्ट कम्पनी (रजि०)

लाल डिग्गी पार्क के सामने, गोरखपुर (उ०प्र०)
सम्पर्क सूत्र : 09838575701, 09695000900, 09919400800

कृपया पत्रिका स्वयं पढ़ें - बच्चों को पढ़ायें
समाज के अन्य लोगों को भी पढ़ने को दें और संभाल कर रखें।

शिक्षा की शक्ति शोषण से मुक्ति

पहली शिक्षिका

यह घटना सन् 1853 ई. की है। उस समय लड़कियों को शिक्षा-दीक्षा पर बिल्कुल ध्यान नहीं दिया जाता था। ऐसे में तीन जुलाई 1853 को पूना में ज्योतिबा फूले ने लड़कियों को शिक्षा प्रदान करने के लिए एक स्कूल खोला। लेकिन समस्या यह यह थी कि बलिकाओं को पढ़ाने के लिए स्कूल में शिक्षक की जगह शिक्षिका होनी चाहिए। उस समय एक शिक्षिका तलाश करना चुनौतीपूर्ण काम था। जो लड़कियां थोड़ा बहुत पढी-लिखी भी थीं। वे भी घर के अन्दर ही रहती थीं। ज्योतिबा फूले को जब शिक्षिका के रूप में कोई महिला नहीं मिली तो उन्होंने अपनी पत्नी सावित्री बाई फूले को इस काम के लिए राजी कर लिया। जब लड़कियों को पढ़ाना ही गलत समझा जाता था। सावित्री बाई ने शिक्षिका बनना तय कर अपने लिए मुसीबतें खडी कर लीं। समाज सावित्री के निर्णय से हिल गया। खुद को समाज का ठेकेदार मानने वालों बहुत निंदा की। उन्हें धमकी तक दी गई। वह स्कूल जाने के लिए निकलती तो लोग उन पर टीका-टिप्पणी करते, उन पर पत्थर फेंकते। लेकिन सावित्री बाई इन घटनाओं से बिल्कुल नहीं घबराई। वह नियमित रूप से स्कूल जाती थी। उन्हें देश को प्रथम शिक्षका के रूप में जाना जाता है।

विजय लक्ष्मी साहू
प्रदेश अध्यक्ष
महिला सभा
मो0 : 7309155011

समाज में बेटियों का महत्व तथा योगदान

मन्नत सिर्फ बेटों के लिए,
पर अनचाही सी आ जाती है बेटियाँ।
रोते हैं हम बेटों के लिए,
पर संम्भाल लेती है बेटियाँ।
सारा वात्सल्य बेटों के लिए,
परमपिता की प्रतिमूति हैं बेटियाँ।
पढ़ाने की कोशिश बेटों को,
पर पढ जाती हैं बेटियाँ।
सुविधाएं सिर्फ बेटों के लिए,
पर परचम लहराती हैं बेटियाँ।
सहारा समझते हैं हम बेटों को,
पर असल फर्ज निभाती है बेटियाँ।
वंश समझते हैं हम बेटों को,
पर वंश परम्परा को निभाती हैं बंटियाँ।
धन पराया समझते हैं उन्हें हम,
पर अपने पन की खान हैं बेटियाँ।
अधिकारों का रंग हैं बेटे,
पर कर्तव्यों की साँझी हैं बेटियाँ।
मर्द समझते हैं हम स्वयं को,
पर सच में मर्दानी हैं बेटियाँ।

रामजी साहू
(प्रदेश उपाध्यक्ष)
उ० प्र०
मो० नं०- 7505495309

भारतवर्ष के समस्त तैलिक साहू राठौर समाज के बन्धुओं को हार्दिक शुभकामनायें !

जवाहर लाल साहू

सदस्य -उत्तर प्रदेश राज्य पिछड़ा वर्ग आयोग

पूर्व प्रदेश महासचिव - समाजवादी पार्टी, उत्तर प्रदेश

पूर्व प्रदेश उपाध्यक्ष- समाजवादी पार्टी व्यापार सभा उत्तर प्रदेश

पूर्व प्रभारी- लोक सभा क्षेत्र-बहराइच

आजीवन सदस्य- समाजवादी बुलेटिन, पत्रिका

आजीवन सदस्य- अखिल भारतीय तैलिक साहू महासभा

आजीवन सदस्य - उत्तर प्रदेश तैलिक साहू महासभा

पूर्व प्रदेश कार्यवाहक अध्यक्ष- उ०प्र० साहू राठौर चेतना समिति

राष्ट्रीय सलाहकार- भारतीय तैलिक साहू राठौर महासभा

आजीवन सदस्य - स्नेही क्लब इण्टरनेशनल

सदस्य - साहू समाज धर्मशाला समिति, जौनपुर

पार्टी कार्यालय- 19, विक्रमादित्य मार्ग, लखनऊ (उ0प्र0)
फोन : 0522-2235454 फैक्स- 0522-2238520
आयोग कार्यालय- तृतीय तल इन्दिरा भवन, अशोक मार्ग, लखनऊ
फोन : 0522-2287876 फैक्स- 0522-2267215

निवास- 5/30 विपुल खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010
निवास- रिज़वी खॉ, हरलालका रोड, जौनपुर (उ0प्र0)
मोबाइल : 9305408981, 09580502732, 09839136024,

सूचना का अधिकार –कानून एवं व्यवहार

जिसके पास जितनी अधिक सूचनाएं है वह उतना ही अधिक ज्ञानी और शक्तिशाली माना जाता है। इसी तरह जिस देश के पास जितनी अधिक सूचनाएं विश्व के बारे में होती है वह उतना ही अधिक शक्तिशाली देश होता है गांव में गरीब व्यक्ति के पास सबसे कम सूचनाएं होती है बाहरी दुनियां से उसका सबसे कम सम्पर्क होता है। इसलिए उसके पास सूचनाएं कम होती है। वह अपने दो शाम की रोटी की जुगाड़ में रहता है। यहां तक की रोटी के साथ जिस दैनिक मजदूरी का सबसे घनिष्टतम रिस्ता है, उस दैनिक मजदूरी की सरकरी दर क्या है, उसके बारे में भी उसे जानकारी नहीं हो पाती है। यह बात दीगर है कि कभी जानकारी होते हुए भी वह कम मजदूरी पर काम करने के लिए विवश होता है। गांव में गरीबी रेखा से नीचे लोगों के लिए सरकार की बहुत सारी योजनाएं है जिन्हें कल्याणकारी योजना के नाम से हम जानते हैं, गरीबों की हितकारी योजनाओं की जानकारी तक उसे नहीं हो पाती,। सूचना का अधिकार का कानून तो बन गया है परन्तु इसकी जानकारी आम जनता तक नहीं पहॅुची है। सूचना के अधिकार की जानकारी अभी तक पत्रकारों, वकीलों, बुद्धिजीवियों, प्राधयाप्कों एवं उच्च मध्य वर्ग तक सीमित है। इसे व्यापक बनाने की जरूरत है।

मनोज साहू
राष्ट्रीय परामर्शदाता
एड़वोकेट,लखनऊ
मो0– 9450750386

आदेश का तरीका

राजेश साहू ,मीडिया प्रभारी, लखनऊ

वीरसिंह नामक राजा अपनी प्रजा का बहुत ध्यान रखता था। वह अपनी प्रजा के लिए कभी अपने सुख की परवाह नहीं करता था। लेकिन उसमें एक कमी थी कि वह जब भी किसी कार्य के लिए आदेश देता तो उसे यह अहसास कराता था कि वह सर्वेसर्वा है और सभी उसके नौकर। लोग उसके आदेश का पालन मन से नहीं बल्कि मन मारते हुऐ करते थे। धीरे–धीरे लोगों ने राजा के आदेश को मनना कम कर दिया। अब राजा वीरसिंह को चिंता हुई। वह इस बात का परामर्श करने के लिए अपने राजगुरू सुदिप्त ऋषि के पास पहुंचा और उनसे बोला–राजगुरू, क्या मुझे राजपाट को बेहतर ढंग से चलाने के लिए कोई परमर्श दे सकते हैं?' राजगुरू सुदिप्त की इस बात से परिचित थे। वह मुस्कुराते हुए बोले– 'बिल्कुल राजन, हम तुम्हें राजपाट का एक ऐसा ज्ञान दे सकते हैं, जिससे तुम सदियों तक प्रजा के मस्तिष्क में विराजमान रह सकते हो। इस पर राजा वीर बोले–'राजगुरू बताइए न, हम आपसे वह राय जानने के लिए बेचैन है। राजगुरू ने कहा– 'यदि तुम सीख लो कि आदेश कैसे दिया जाता हैं तो जीवन भर प्रजा के प्रिय बनकर रह सकते हो?' राजगुरू बोले 'महराज आदेश देने का तरीका कैसा हो?' तुम्हारा आदेश देने का तरीका ऐसा हो अन्य व्यक्ति बिना हीन भावना के उसका पालन करें। राजा वीरसिंह बोला– 'राजगुरू आपने प्रजा का प्रिय बनने का गुण सिखा दिया है। मैं हमशा उसका पालन करूंगा। इसके बाद राजा वीरसिंह उसी तरह से आदेश देता कि दूसरे की हीन भावना न हो और वह कार्य को खुशी–खुशी अंजाम दे।

आप सभी बन्धुओं को नव वर्ष की शुभकामनाऐं।

मनोज साहू

एडवोकेट, हाईकोर्ट, लखनऊ
राष्ट्रीय सलाहकार
भारतीय तैलिक साहू राठौर महासभा

मुफ्त कानूनी सलाह हेतु सम्पर्क करें।

निवास/कार्यालय : 4/892 विकास नगर, लखनऊ
मोबाइल : 09450750386

आप सभी बन्धुओं को नव वर्ष की शुभकामनाऐं।

मेसर्स एम० आर० उधोग

जमुनीपुर अम्बेडकरनगर, उच्च कोटी के चावल निर्माता एवं एक्सपोर्टर)

साहू चावल उद्योग

साहू धर्म काँटा मरैला अम्बेडकरनगर
एम०आर० धर्म काँटा जगदीशपुर अम्बेटकरनगर
मो० 9415169191, 9621521011

प्रेपराइटर – राजमणि साहू
जिलाध्यक्ष– साहू समाज अम्बेडकर नगर, उ.प्र.
अध्यक्ष–समाजवादी व्यापार सभा अम्बेडकर नगर, उ.प्र.

अपनी सफलता अपने हाथ

'ज़िन्दगी ज़िन्दादिली का नाम है, मुर्दादिली क्या खाक जिया करते हैं।' यह सर्वथा सत्य है। हमें मर-मर कर जीना नहीं चाहिए। बल्कि अत्यन्त उत्साह के साथ जीवन का खुलकर आनन्द लेते हुए जीना चाहिए। जीवन गुलाब के फूल के समान सुन्दर सुखकर एवं सुगन्धपूर्ण है, परन्तु यह क्षणभंगुर भी है। इसलिए इस क्षणभंगुरता को ही अनवरतता प्रदान करना ही जीवन को लक्ष्य होना चाहिए। एतदर्थ इस जीवन में कुछ ऐसा कर जाना चाहिए जिसे मिटाया न जा सके। जिसे देखकर या सुनकर या अनुभव करके लोग आपको याद करते रहें। अतिश्योक्ति नहीं है। इसके अनेक उदाहरण समाज में देखने को आपको मिल जायेंगे। ऐसे महापुरूष अमर होते हैं। उन्हें स्मरणकर उन्हें हम अपने पास अनुभव करने लगते हैं।

जीवन में अनेक कठिनाइयाँ आयेंगी। उनका सामना हमें सोच समझकर साहस के साथ करना चाहिए। 'लहरों से डरकर नौका पार नहीं होती, हिम्मत करने वालों की हार नहीं होती।' जीवन की कठिनाइयों में तपकर जीवन में और निखार आ जाता है। उसकी छटा दूर-दूर तक फैल जाती है। 'चला जाता हूँ हँसता खेलता मौजे-हवा दिशा में, अगर आसानियाँ हों, ज़िन्दगी दुशवार हो जाऐ।' आसानियों से आदमी सुस्त हो जाता है। कठिनाइयों में आदमी चुस्त हो जाता है। इसलिए हमें सोचना चाहिए कि 'विपद पड़े की क्या चिन्ता, हम आगे बढ़ते जाते हैं। फूल तो काटों में खिलते हैं, सोजों पर मुरझा जाते हैं।' कठिनाइयाँ हमसे टकराकर स्वय पस्त हो जायेंगी। एक व्यक्ति सागर के किनारे गया तो क्या देखता है कि लहरें सागर के तट से टकराकर स्वयं नष्ट हो जा रहीं है। यह देखकर वह उत्साह में आकर कहने लगा, जो खुद बेचैन है, साहिल पे सर पटकती हो, वो क्या डुबोयेगी कमजोर-सी लहर मुझको।' सही भी है। कठिनाइयों का सामना करके ही उनपर विजय पाया जा सकता है। जिन ढूढ़ा तिन पाइया, गहरे पानी पैठ।'

अच्छे कार्य को प्रारम्भ करने के लिए साइत देखने की जरूरत नहीं है। 'साइत से सुतार भला।' जब सुतार हो अधिक सुविधा हो तब कार्य को सम्पन्न कर देना चाहिए। क्योंकि जभी जागों, तभी सवेरा।' अच्छे कार्य तत्काल प्रारम्भ कर देना चाहिए। शुभ कार्य जितना शीघ्र हो, होता है वह उतना भला हमारा सिद्धान्त होना चाहिए कि ' काल करे सो आज कर, आज करे सो अब।'कार्य को बाद के लिए टालना, किसी भी दृष्टिकोण से लाभकारी नहीं होता है।

मनुष्य तीन प्रकार के होते हैं। पहले वे होते हैं जो समस्याओं से डरकर कार्य शुरू ही नहीं करते। दूसरे वे होते हैं जो कार्य को बड़े उत्साह से शुरू करते हैं परन्तु किसी प्रकार की कठिनाई आने पर वे उसे वहीं छोड़कर, हार मानकर कार्य करना ही बन्द कर देते हैं तीसरे प्रकार के मनुष्य वे होते हैं जो कार्य को प्रारम्भ कर बीच में समस्यायें आने पर भी उसे नहीं छोडते। वे समस्याओं पर विजय प्राप्त करतें हैं और अन्त में उन्हें सफलता प्राप्त होती है अतएवं हमें साहसपूर्वक, बुद्धिमत्ता पूर्वक और दृढ़ निश्चयपूर्वक कार्य को सम्पन्न करने के लिए प्रयत्नशील रहना चाहिए। अन्त में सफलता हमें प्राप्त होकर रहेगी।

हमारी सफलता देखकर बहुत से लोगो को जलन भी होगी। हमें उनकी परवाह नहीं करनी चाहिए 'किस्मत अगर हमारे साथ रहे तो जलने वाले जला करें।' किस्मत हम खुद अपनी बनातें हैं अपने कर्तव्यों से इस प्रकार अपना पैर, दुनिया की सैर अपना हाथ जगन्नाथ।' कुल मिलाकर यह कहा जा सकता है कि अपनी सफलता अपने हाथ' है।

सफलता जीवन का मूल मंत्र है-
'जीवन में जितने क्रम हैं, उन्हें निभाता चल ।
जीवन में जितने भ्रम हैं, उन्हें हटाता चल ।।'
'जीवन सफल हो जायेगा'

डॉ0 भक्तराज शास्त्री
स्नेही नगर,
सीतापुर रोड, लखनउळ
मो. न.-9415087402

~~~

कामयाबी मिलते ही खैरात में मिल जाते है।।
~~~

राष्ट्र गौरव

झारखण्ड गौरव

समाज गौरव

भारतीय तैलिक साहू राठौर महासभा
उत्तिष्ठित जागृत

रमाशंकर तेली, एडवोकेट

सम्पादक- चेतना संदेश पत्रिका
प्रदेश युवा कार्यवाहक अध्यक्ष - भारतीय तैलिक साहू राठौर महासभा,उ0प्र0
प्रोपराइटर- एस.एस. प्रिंटिंग वर्ल्ड, लखनऊ

कार्यालय : शुभम थियेटर बिल्डिंग कैण्ट रोड़, कैसरबाग, लखनऊ
दूरभाष : +91 9451403835
ई-मेल : ramashanker2010@rediffmail.com,
ramashanker15980@gmail.com

आप सभी बन्धुओं को नव वर्ष की शुभकामनाऐं।

साउथ सिटी हास्पिटल एवं ट्रामा सेन्टर

दक्षिण क्षेत्र का एक मात्र समस्त सुविधाओं से परिपूर्ण हास्पिटल

डा० हिमांशु साहू
एम.पी.टी. (आर्थो.) वी.सी.पी. (मुम्बई)
पूर्व जयपुर गोल्डेन हास्पिटल, नई दिल्ली

डा० प्रिया साहू
बी.ए.एम.एस.
(स्त्री रोग विशेषज्ञ)

हेल्पलाइन : 7618971915, 9473864426

सुविधाएँ- ÷ सभी प्रकार के ऑपरेश (जनरल ऑपरेश, हड्डी के ऑपरेशन की सुविधा, स्त्री रोग, नाक, कान एवं गला के ऑपरेशन) की सुविधा।
÷ नार्मल डिलेवरी एवं ऑपरेशन द्वारा प्रसव सुविधा।, ÷ पित्त की थैली व पथरी के ऑपरेशन दुरबीन विधि द्वारा।
÷ बिना चीरा, बिना टांका बच्चेदानी का ऑपरेशन ÷ 24 घण्टे इमरजेन्सी सेवा व भर्ती की सुविधा।
÷ समस्त उपचार वरिष्ठ विशेषज्ञ चिकित्सकों द्वारा किया जाता है। ÷ समस्त इलाज रियातयती दर पर किये जाते है।

X Ray एवं पैथोलॉजी सुविधा उपलब्ध

7डी,-1 जरौली फेस-1, 80 फिट कर्रही मेन रोड (निकट पानी की टंकी), कानपुर

मध्य प्रदेश के जनपद राजगढ़ मे माँ कर्मा धाम के कार्यक्रम मे श्रीमान प्रहलाद मोदी जी, श्री राम नरायन साहू, श्री प्रकाश चन्द्र राहूल, म0प्र0 के प्रदेश अध्यक्ष श्री नरेन्द्र साहू व कार्यक्रम आयोजक नरेन्द्र कुमार साहू।

पत्रिका के सम्पादक रमाशंकर तेली को प्रतीक चिन्ह भेंट करते कार्यक्रम आयोजक नरेन्द्र कुमार साहू।

श्री प्रहलाद मोदी को प्रतीक चिन्ह भेंट करते, नरेन्द्र साहू व कार्यक्रम आयोजक नरेन्द्र कुमार साहू।

श्री एस.राहूल, प्रदेश अध्यक्ष, दिल्ली को प्रतीक चिन्ह देते कार्यक्रम आयोजक।

मध्य प्रदेश के सामुहिक विवाह कार्यक्रम मे मुख्य अतिथि प्रहलाद मोदी को प्रतीक चिन्ह भेंट करते हुए।

जनपद हरदोई मा0 प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी को मुकुट द्वारा स्वागत करते श्री विनोद राठौर, युवा प्रदेश अध्यक्ष, उ0प्र0 साथ मे हरदोई के सांसद श्री अंशुल वर्मा।

महाराष्ट्र वर्धा मे श्री राम नरायन साहू जी का स्वागत करते हुए वर्धा के मा0 सांसद श्री रामदास तड़स।

जनपद– वाराणसी मे राष्ट्रीय महामंत्री संगठन श्री अरविन्द गांधी का स्वागत करते श्री विनोद साहू, पूर्व युवा कार्यवाहक अध्यक्ष।

मा0 गृहमंत्री राजनाथ सिंह से वार्ता करते संस्था की महिला प्रदेश अध्यक्षा श्रीमती विजयलक्ष्मी साहू।

जनपद– फतेहपुर मा0 प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी से वार्ता करती संस्था की महिला प्रदेश अध्यक्षा श्रीमती विजयलक्ष्मी साहू।

पूर्व मुख्यमंत्री, श्री अखिलेश यादव के साथ श्री जै किशन साहू, राष्ट्रीय वरिष्ठ उपाध्यक्ष एवं श्री हरिओम साहू पूर्व कार्यवाहक अध्यक्ष।

जनपद–गोण्डा के कार्यक्रम मे बांये से श्री हीरालाल गुप्ता, श्री जिया लाल साहू व प्रदेश अध्यक्ष श्री राम औतार साहू।

नई दिल्ली श्री मनोज तिवारी प्रदेश अध्यक्ष भाजपा का स्वागत करते श्री एस. राहुल व डिप्टी मेयर, श्री सुर्दशन भगत।

फैजाबाद के कार्यक्रम मे श्री राम नरायन साहू को प्रतीक चिन्ह भेंट करते अयोध्या से विधायक, श्री वेद प्रकाश गुप्ता।

मुम्बई के कार्यक्रम मे समाज को सम्बोधित करते एस.पी. गुप्ता राष्ट्रीय युवा संगठन मंत्री।

म0प्र0 के सामुहिक विवाह कार्यक्रम मे उपस्थित वर–वधू को आर्शीवाद देते श्रीमान प्रह्लाद मोदी व अन्य पदाधिकारी।

महाराष्ट्र वर्धा,बापू कुटी मे राष्ट्रीय अध्यक्ष, श्री राम नरायन साहू व अन्य पदाधिकारी।

इलाहाबाद सामुहिक हत्या कांड के विरोध मे एस. राहुल, प्रदेश अध्यक्ष दिल्ली के नेतृत्व मे जंतर–मंतर पर कैडिल मार्च।

म0 प्र0 के मा0 मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान व प्रह्लाद मोदी के साथ भोजन करते श्री नरेन्द्र साहू, प्रदेश अध्यक्ष, म0प्र0।

फैजाबाद के कार्यक्रम मे श्री जै किशन साहू का स्वागत करते फैजाबाद के पदाधिकारी।

साहू इतिहास के पृष्ठो में

वेदों में वैश्य (विश) शब्द का प्रयोग किया गया है। उदार चरित, सेवा भाव स्वाभाविक गुण होता है। अनेक तरह के व्यापार करने के कारण अनेक उपवर्गों में आधुनिक खोजके अनुसार समस्त भारत में 800 से अधिक (पहले 742 संख्या थी) क्षेत्रीय भाषा व बोल-चाल में प्रचलित हैं। जिसमें एक को साहू शब्द की संज्ञा दी जाती है जो सबसे पुराना शब्द मालूम होता है जिसका उल्लेख, स्कन्द पुराण व चन्दरवरदाई कृत ''पृथ्वीराज रासो'' में मिलता है सोलहवीं शताब्दी में सन्त कबीर दास जी के द्वारा रचित ग्रंथ 'साखी' में भी किया गया है जो प्रस्तुत लेख के संक्षेप में प्रस्तुत हैं। पृथ्वीराज रासो चन्दरबरदाई के द्वारा रचित ग्रंथ में अंतिम छप्पय में बतातें हैं कि विभिन्न जाति के लाग जब प्रधान बनते हैं तब वह किस प्रकार का व्यवहार करते हैं।

छप्पय स्मृति देखें: -

क्षेत्रिय हो प्रधान, खाय खड़ो दिखाये ।
साहू होय प्रधानभरे धर राज थमावे।।

सन्त कबीर साहब द्वारा रचित ग्रंथ बीजक में पेज नं. 135 व 136 से साखी संख्या 151 वा159 में साहू शब्द का प्रयोग किया गया है-

1. साहू से भै चौखो, चौरहु से मैं हीत,
   तब जानहू गे जियरा, तब मार पड़ेगी तज्ञ।।
2. साहू चोर चीन्हे नहीं अन्धाा मति की हीन
   पारख बिना विनास है, कर विचार होऊ मीन।।

पौराणिक ग्रंथों में स्कन्द पुराण के छठवें समुल्लास में सत्यनारायण की कथा का वर्णन है जो साहू वैश्य बनियां की कथा (घर-घर में सुनी जाती है) का वर्णन मिलता है। उन्नीसवीं शताब्दी आधाुनिक काल में रचित ग्रंथ वैश्य मन्दिरम् रचयिता कविवर श्याम सुन्दर गुप्ता द्वारा रचित खण्ड काव्य में प्रथम अध्याय वैश्य वंश शीर्षक बहुत ही सुन्दर ढंग से वैश्य समाज में एकता, निकटता, सौहार्द का भाव दर्शाया गया है। जो समाज को कुछ जागृत करने का महत्वपूर्ण प्रयास है कुछ पक्तियां देखें-

अपना तन, मन, धन जन सेवार्थ लगाते
श्रेष्ठ आचरण के कारण ही वैश्य सेठ कहलाते।
संस्थान धर्मार्थ अनेकों, जन सेवार्थ चलाते,
अपनी साधु प्रकृति के कारण, वैश्य साहू कहलाते।
उपवर्गों की भूल भुलैया में वैश्य भावना खोई, हमें चाहिए आज वस्तुत:
गाँधी, भामा, दीनबंधु कोई।
आओ मिलकर कदम बढ़ायें, साहू राटौर एकता मंत्र जगाएं अब है राजनीति का पलड़ा, हर सेवा पर पड़ता भारी जिसमें मिलती मान प्रतिष्ठा, सुख सुविधाएं सारी।

-शिव सागर साहू
सह सम्पादक ''चेतना संदेश'' लखनऊ
मो. 9452572336

शोक संदेश

हम बड़े दुखी मन से उन सभी के लिए जिनका इस अवधि में हमारे समाज के बन्धुओं का स्वर्गवास हो गया है। उनकी आत्मा को शान्ति मिले और उनके शोक सन्तप्त परिवार को इस अपार दुख को सहन करने की ईश्वर शक्ति प्रदान करे। विनम्र श्रद्धांजलि

ओम् शान्ति! शान्ति शान्ति!

-सम्पादक

राष्ट्र गौरव

भारतीय तैलिक साहू राठौर महासभा
उत्तिष्ठित जागृत

समाज गौरव

सभी स्वजातिय बन्धुओं को पत्रिका के माध्यम से हार्दिक शुभकामनाएँ।

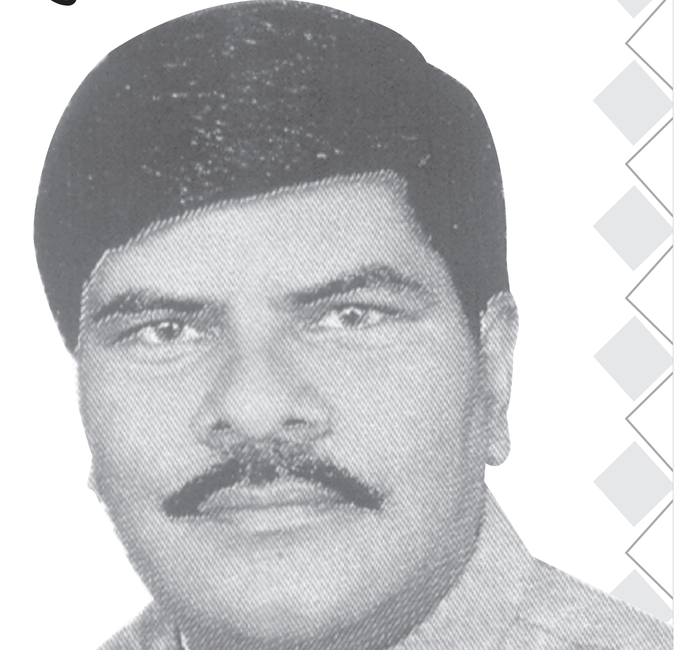

भाजपा नेता

ओमप्रकाश गुप्ता

प्रदेश कार्यवाहक अध्यक्ष
भारतीय तैलिक साहू राठौर महासभा उ.प्र. मो0 9453086453

निवास– ग्राम दुबिहा पोस्ट निवादा, जिला गाजीपुर, उ.प्र.
कार्यालय : शुभम थियेटर बिल्डिंग, कैन्ट रोड कैसरबाग, लखनऊ–01 फोन : 0522–2628182

समाज के समस्त भाइयों एवं बहनों से अपील–

मै आप के समक्ष उत्तरप्रदेश में अपने तैलिक समाज की राजनैतिक दिशा एवं दशा पर अपने मन में उठी अपनी पीड़ा की बात करना चाहता हुँ– ''पिछड़ो की कुल आबादी में हमारी तेली जाति का प्रतिशत अधिाक है। हम पिछड़ी जाति की संख्या में अग्रणी होने के बाबजूद भी राजनैतिक क्षेत्र में इतना पीछे क्यों है ? यह प्रश्न हमारे तैलिक समाज के लिए बहुत सोचनीय एवं चिंतनीय विषय है। यदि हम अपने समाज को समग्र मजबूत बनाना चाहते है तो हमें अपने समाज की राजनीतिक स्थिति की ओर विशेष ध्यान देना होगा क्योंकि राजनीति वह चाभी है, जिससे विकास के सारे ताले खोले जा सकते हैं। यदि हम राजनीतिक तौर पर मजबूत होगें तो ही किसी की वास्तविक तौर पर मदद कर सकते है। हमारे समाज की अग्रिम पंक्ति के नेता बात तो संगठन की करते है परन्तु सच्चाई तो ये है कि वो खुद ही संगठित नहीं है।

अब समय आ गया है कि हमारे समाज के प्रांतीय व राष्ट्रीय नेता एक मंच पर आकर अपने व्यत्तिगत मतभेद भुलाकर संगठित होकर समाज के संगठन की बात करें। पिछड़ो में तैलिक समाज के अग्रणी होने का एहसास संगठित होकर समाज के संगठन की बात करें और संगठित होकर विभिन्न दलों के नेताओं को करावें जिससे राजीतिक में हमारे समाज की भागीदारी सुनिश्चित हो ताकि हमारा समाज राजनैतिक स्तर पर मजबूत हो सके।

अत: सभी तैलिक समाज प्रेमियों के विनम्र अनुरोध है कि हम सब अतीत से सीख लें और वर्तमान में सम्मान की मशाल जलाकर भविष्य को रौशनी दें। विगत 29 वर्षो से समाज को सभी क्षेत्र मजबूती प्रदान करने के उददेश्य से निरन्तर लखनऊ में मासिक बैठक होती चली आ रही है।

हीरालाल गुप्ता
संगठन मन्त्री, लखनऊ
मो0 9415464619

~~~

खो गया हुँ

खो गया हूँ आज मैं अपनें शहर जानें के बाद।
हो गया बदनाम हूँ मैं नाम कर जानें के बाद।।
ज़िन्दगी जब तक रही कुछ काम कर पाया नहीं।
लोग करनें आ गये हैं काम मर जानें के बाद।।
नील अम्बर को भरूँ मैं बाजुओं में सोचता।
पर न उड़ पाया परिन्दा पर उखड़ जानें के बाद।।
झील, झरना, पेंड़, कलियाँ सब के सब मायूस थे।
छा गयी हरियालियाँ बादल मुकर जानें के बाद।।
लड़खड़ाता ही रहा हूँ उम्र की इस दौड़ में।
ठीक चलना सीख पाया अपनें घर जानें के बाद।।
दु:ख भी एक अहसास ही है मुस्कुरानें के लिये।
हर खुशी मिलती यहाँ पर आँख भर जानें के बाद।।
उम्र भर चलता रहा मन्जिल कभी आयी नहीं।
थक गया 'शैलेन्द्र' अब रहवर बिछड़ जानें के बाद।।

आचार्य शैलेन्द्र राठौर 'सरस'
हरदोई उ०प्र०
मो०:8858565090

मरीज को देखने अवश्य जायें पर ध्यान दे!

- मरीज की फाइल और दवाईयां मत चेक करें।
- अस्पताल या डाक्टर की बुराई मरीज के सामने मत करें। इससे मरीज के मन में संदेह उत्पन्न होता है।
- मरीज से कम बात करें। क्या हुआ, क्यूं हुआ, जबरदस्ती पूछने की कोशिश मत करें।
- मरीज की बीमारी से जुडा कोई बुरा संस्मरण मत सुनाएं।
- ये कभी मत कहें कि इससे अच्छा तो वो डॉक्टर है या इस अस्पताल में क्यूं आये।
- तेज आवाज में बात मत करें।
- मरीज की देखभाल में जुटे लोगों के साथ हर संभव सहयोग करें।
- मरीज की इच्छा शक्ति बढाने की कोशिश करें।
- पहले से अब बहुत ही सुधार है।
- शीघ्र ही पहले जैसे कार्य करोगे।
- चिन्ता मत करो।
- सकरात्मक संस्मरण याद, दिलाए, कम बोले।

नीलम साहू
उपाध्यक्ष
क्वीन मेरी हास्पटिल लखनऊ

हमारी आदते जंजीर की समान है। अच्छी आदतें हमारा मार्ग दर्शन करती है।
~~~

With best compliments from :

➡ A SIYARAM GROUP OF COMPANY
➡ SIYA RAM MULTITRADE PVT. LTD.
➡ SIYARAM HOLIDAYS, HOUSING INVESTMENTS

ANKIT SAHU , Director

Address 365/369 Bharigwari Near
Dr. Mehta (N.D. Plaza), Kanpur Road, Lucknow
Mobile : +91 9336425616, 9628888616 email : Siyarammultitrade@gmail.com

गर्मी से ऐसे मिले राहत

गर्मियों का मौसम दस्तक दे चुका है। देश के कुछ प्रांतों में तो लू ने भी अपना कहर बरतना शुरू कर दिया है। अगर हम कुछ सजगता बरतें, तो इस मौसम में लू लगने, डीहाइड्रेशन, उल्टी, दस्त और पेट से संबंधित आदि समस्याओं से बचे रहकर स्वस्थ बने रह सकते हैं

डी हाइड्रेशन से बचें

पर्याप्त मात्र में पानी न पीने से शरीर में पानी की कमी हो जाती है, जिसे मेडिकल भाषा में डीहाइड्रेशन कहते है। पानी पीकर ही घर से बाहर निकलें। नेचुरल इलेक्ट्रोलाइट युक्त खाद्य पदार्थों का सेवन करें। ये नेचुरल इलेक्ट्रोलाइट मौसमी सब्जियों और फलों, सत्तू, चावल, अदरक, सौंफ और जीरे में पाए जातें है।

उल्टी व दस्त की समस्या न हो

- अस्वच्छ हाथों से किसी वस्तु का खाना किसी रोग को बुलावा देना है। किसी भी वस्तु को खाने से पहलें हाथों को जीवाणुनाशक साबुन से धो लें या फिर हैंड सेनिटाइजर का इस्तेमाल करें।
- बासी भोजन न करें। ताजा व गर्म खाना खाएं।
- किचेन को मक्खियों से बचाएं और इसे साफ सुथरा रखों।
- ककडी, खीरा और मौसमी फलों का सेवन करें।
- मट्ठा, लस्सी या बेल का शरबत पिएं। इसके अलावा पुदीने का पानी पिएं। स्वच्छतापूर्वक तैयार किया गया गन्ने का रस लाभप्रद है।
- बाहर से घर आने पर तुरंत ही पानी न पिएं। पानी से पहले कुछ खा लें।

याद रखें

लू लगने या अन्य किसी स्वास्थ्य समस्या के सामने आने पर शीघ्र ही डॉक्टर से परामर्श लें। सेल्फ मेडिकेशन से बचें। बेशक उपर्युक्त सुझावों पर अमल कर आप कड़ी धूप और लू के इस मौसम में काफी हद तक स्वस्थ बने रह सकते हैं।

बहुत सरल है लू से बचना

- स्वच्छ पेय जल न पीने से गर्मियों में बीमारियां कुछ ज्यादा ही होती हैं। इसलिए बेहतर यही रहेगा कि आप स्वच्छ और पर्याप्त मात्रा में पानी पिएं। स्वच्छ पानी के लिए फिल्टर या आरओ का इस्तेमाल कर सकते है।
- नीबू, नमक, बेल के शर्बत का प्रयोग करें।
- अगर जरूरी न हो, तो पूर्वाहन 11 बजे से लेकर शाम 4 बजे तक घर से बाहर न निकलें।
- आम का पना पीना लू से बचाव करने में सहायक है।
- विटामिन सी युक्त खाद्य पदार्थ जैसे मौसमी फल संतरा आदि लें।
- दही-मट्ठा व लस्सी का सेवन करें।
- जब बाइक पर सवार होकर घर से बाहर निकलें तो सिर पर गीला गमछा या अंगोछा रख लें।
- खाली पेट घर से बाहर निकलना ठीक नहीं है। इसलिए घर से कुछ खाकर ही बाहर निकलें।

डॉ. हिमांशु साहू कानपुर
मो0 9473864426

मदर्स डे पर

माँ तो जन्नत का फूल है
प्यार करना उसका वसूल है
दुनिया की मोहब्बत फिजूल है
माँ की हर दुआ कबूल है
माँ को नाराज करना इन्सान की भूल है
माँ के कदमों की मिट्टी जन्नत की धूल है
एक माँ का हाथ कोमलता से बना होता है
बच्चे उसमें गहरी नींद मे सोते है।

Amar Prem Group
GROW WITH US

Vishal Gupta
Mobile :
+91 8005454000
+917071549200

Shubham Gupta
लखनऊ नगर महामंत्री-भा०तै०सा०रा०म०
Mobile :
+91 9389209876
+91 9452587555

Concern Firm
(i) Shre Amar Ayurved Ashram (ii) Amar Prem Herbal
(iii)Gupta Store (iv) Tirupati Infra Developers

Address :
110/140 Naya Goan Near tuti Masjid, new Medicine Market
e-mail : amarpremgrouplucknow@gmai.com

प्रेरणा गीत

कैसे लड़ पायेंगे
प्रकृति से छेड़–छाड़ यूँ ही करते रहे तो।
सच कहती हूँ एक दिन पछताएँगे।।
पेड़–पौधे इसी भाँति घटते गये अगर।
कहाँ से व कैसे स्वच्छ, वायु आप लायेंगे।।
नित्य–प्रति यदि बढता गया प्रदूषण तो।
परेशानियों से घिरते ही चले जायेंगे।।
छोटा सा प्रकोप जब ग्रीष्म का न झेल सके।
सोचे ढेरों संकटों से कैसे लड़ पायेंगे।।
सुन्दर सलोना सुंदर, सुहावनी शरद ऋतु चाहती है।
हर कोई हृष्ट–पुष्ट सुंदर सलोना हो।।
वर्षा ऋतु चाहती समृद्ध हो सकल विश्व।
पूर्ण धारती का हरा–भरा कोना–कोना हो।।
ग्रीष्म ऋतु चाहती यथार्थ पहचानें सभी।
व्यक्ति–व्यक्ति तपकर खरा सोना हो।।
किन्तु ऋतुएँ समस्त चाहती हैं चारों ओर।
खशुहाली रहे कहीं भी न रोना धोना हो।।
अति प्यारी वैसे तो समस्त ऋतुएँ महत्वपूर्ण किन्तु ।
बरसात की तो महिमा ही आति न्यारी है।।
धरा तृप्ति पाती जीव–जन्तु भी अघाते और।
बाँटती महक धरती की क्यारी–क्यारी है।।
कृषि–भू सरोवर, पहाड़, नदी–नाले आदि।
जड़ तथा चेतन सभी की हितकारी है।।
इतनी विशेषताएँ विद्यमान इसीलिए।
यह पूर्ण सृष्टि को ही अति प्यारी है।।

निधि राठौर
नई दिल्ली
मो 9718922031

सामाजिक राजनैतिक जागरूकता एक चिन्तन

यह एक सत्य है और हमारे सामने प्रत्यक्ष है, कि वर्तमान समय में अपने समाज में राजनैतिक चिन्तन एक राजनीति में आगे बढने की ललक हर व्यक्ति में देखने को मिल रही है जो कि एक अच्छा संकेत है, एवं इस राजनैतिक ललक के चलते हम सभी आपस में विचार विमर्श करने एवं राजनैतिक रूप से आगे बढ़ने हेतु सकारात्मक पहल एवं अवसर तलाशते रहते हैं।

हम सभी सामाजिक बन्धुओं की यह ललक एक दूसरी राजनैतिक क्राँति की ओर इशारा करती है कि हम एक दिन अवश्य कामयाब होगें। परन्तु इसके लिए जो सबसे आवश्यक पहल है वो ये कि समाज पूर्ण रूप से एकता के बन्धन में बँधें एवं सभी सामाजिक बन्धु आपसी वैमनस्य त्याग कर एक दूसरे की मद्द हेतु सदैव तत्पर रहें तथा समाज में जो भी लोग राजनीति से जुड़े हों वो परस्पर ताल-मेल बैठा कर समाज हित में कार्य करें तभी हम इस लक्ष्य को पूर्णतः प्राप्त कर सकेगे।

राजनीति के क्षेत्र में समाज अभी काफी पिछड़ा है इस पिछड़ेपन को दूर करने के लिए समाज के युवाओं को कमर कसनी होगी एवं राजनैतिक अभिष्ट को प्राप्त करने हेतु कड़ी मेहनत एवं परिपक्वता से आगे बढ़ना होगा।

विदित हो कि माँ कर्माबाई, राष्ट्रपिता महात्मा गाँधी, महाकवि जयशंकर प्रसाद, दानवीर भामाशाह और ना जाने कितने अन्य महान विभूतियों ने तैलिक समाज में जन्म लेकर समाज को गौरवान्वित किया है।

वर्तमान में माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी समाज को गौरवान्वित करने का कार्य कर रहें है, एवं हममें सभी स्वजातीय बन्धुओं के लिए एक प्रेरणा स्रोत हैं।

तो आइये प्रण लें कि हम सभी एक जुट होकर अपने मतभेद भुला कर समाज को प्रगति, उत्थान एवं राजनैतिक बुलंदियों पर ले जाऐंगे।

देवेन्द्र कुमार साहू
प्रदेश कार्यवाहक अध्यक्ष
मो0 9936054842

आने वाली फिल्में

June 02, 2017	:	Dobaara
	:	Behen Hogi Teri
	:	Hanuman Da' Damdaar
	:	Dear Maya
	:	A Death In the Gunj
	:	Sweetiee Weds NRI
June 09, 2017	:	Raabta
	:	G Kutta Se
	:	Love U Family
June 16, 2017	:	Bank-Chor
	:	Guest Iin London
	:	Phullu
June 23, 2017	:	Tubelight
	:	Shab
	:	Rough Book
July, 2017	:	Jagga Jasoos
July 07, 2017	:	MOM
July 14, 2017	:	Haseena
	:	Chef
July 21, 2017	:	Bareily ki Barfi
	:	Indu Sarkar
	:	Munna Michael
July 28, 2017	:	Mubarakan

जंग लगने से लोहा नष्ट हो जाता है वैसे ही ईर्ष्या के करण मनुश्य नष्ट हो जाता है।

महेश साहू 'दद्दू' वरिष्ठ समाजसेवी (साहू समाज)

उपाध्यक्ष, पिछड़ा वर्ग प्रकोष्ठ, भारतीय जनता पार्टी महानगर, लखनऊ

पता : 101/77 बैरूनी खंदक, लाटूश रोड़, लखनऊ मो0 93 3 523 4963

जीवन मे वरिष्ठ नेताओं व समाज सेवियों के साथ कुछ पल–

आशा मनुष्य के लिए अमृत के समान है।

समाजोत्थान में नारी की भूमिका

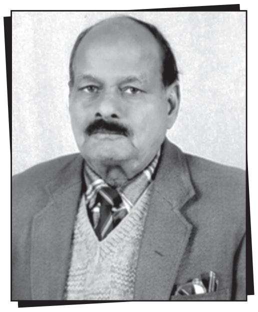

''यत्र नार्यस्तु पूजयन्तें रमन्ते तत्र देवता:
यत्रैतास्तु न पूज्यन्तें अर्वास्तत्रा फला: क्रिया:''

मनु के इस श्लोक में नारी की समाज के उत्थान की बडी सारगर्भित भूमिका सन्निहित है। वह अपने माँ पत्नी बहिन व बेटी में हर स्तर पर समाज में महत्वपूर्ण भूमिका निर्वहन करती है। अपने सुख दु:ख की लेश मात्र चिंता किये बिना बालक, पति व परिवार की अनवरत सेवा में लगी रहती है, किन्तु यदि सबसे अधिक प्रताड़ना व अपमान उसे कहीं से मिला है तो उन्ही पुरूषों से जिनके लिए वह अपना सर्वस्व बलिदान करती रही है। बाल विधवाओं के लिये उसी निकृष्ट जीवन की अनिवार्यता व सतीप्रथा जैसे अवमानवीय के नये नये प्रतिष्ठान गढ़ने में मनुष्य ने कोई कोर कसर नहीं छोडी । किसी बालिका को भ्रूण हत्या से लेकर मृत्यु पर्यन्त नई नई परम्परायें सृजित करने में मनुष्य का दिल जरा भी नहीं पसीजा।

नारी परिवार की सम्पूर्ण शक्ति का केन्द्र बिन्दु है और तदनुसार सामाजिक शक्ति व निर्माण का भी केन्द्र बिन्दु है वह माँ के गर्भ में भ्रुण से ले कर बालपन तक भरण पोषण सम्वर्द्धन व संरक्षण का पूरा बोझ बिना उफ किये पूरे मनोंयोग से उठाती है उसकी आधारशिला माँ गर्भधारण करने के स्तर से ही अपना प्यार मातृत्व व शरीर की संचित अलौकिक सुधा का रसपान कर तैयार कर देती है। उसके सदगुणों व संस्कारों के प्रवाहित होते निर्झर से बालक राम, कृष्ण, अर्जुन व शिव जी का बल व पराक्रम प्रमत करता है। पुरूष की अपेक्षा एक शिक्षित महिला पूरे परिवार को शिक्षित व संस्कारिक बनाती है। नारी बलिदानों की भूर्ति लक्ष्मी बाई और सदगुणों की धारणी माँ दुर्गा है। मानव जाति के लिए नारी प्रकृति का एक अनुपम उपहार है उसके बिना मानव समाज व तद्नुसार विश्व संरचना की कल्पना ही सम्भव नहीं। मेरा विचार है कि नारी शिक्षा व सम्मान व सम्वर्धन के बिना हम संतुलित व प्रगतिशील समाज की रचना कर ही नहीं सकतें। अपने दम्मं व वर्चश्व के समक्ष होने के खतरे को सोचे महिलाओं के उत्थान पर केन्द्रित करना चाहिए।

एक पुत्री में ही नारी का पूर्णत्व छिपा है। वह कोमलता, सुषमा सरलता व सरसता की प्रतिमूर्ति है। स्वर्ग से उतारी गई गंगा है जिसके प्रवाह को बाधित कर हम समाज को पतन की ओर ले जाने की अपनी बुरी आदत को छोड़ें, तभी समाज को सम्मानित विकास सफल कर पायेंगे। नारी का अपमान समाज को दूषित कर उसे अवनति के मार्ग में ढ़केल देता है। एक द्रौपदी के अपमान ने महाभारत को जन्म दिया। मनु स्मृति के अध्याय 3, श्लोक 57व58 में स्पष्ट लिखा है कि जिस कुल में बहू बेटियों क्लेश पाती है वहाँ कुल शीघ्र नष्ट हो जाते हैं।

मेरा अनुरोध है कि नारियों को सम्मानित व शिक्षित कर हम समाज के उत्थान का प्रयास करें। सफलता आप की वाट जोह रहीं है

साहू बी० पी० जायसवाल
लेखक तथा साहित्यकार
लखनऊ
9415765495

~~~

वैवाहिक विज्ञापन

नाम	:	**इंजीनियर विकास साहू**
रंग	:	**साफ**
पिता का नाम	:	**श्री गोपी लाल साहू**
जन्मतिथि	:	**01-05-1986**
शिक्षा	:	**बी.टेक.**
व्यवसाय	:	**एन.बी.सी.सी. अधिशासी अभियन्ता खड़गपुर में ज्वाइनिंग।**
लम्बाई	:	**5 फीट 8 इंच**
सम्पर्क	:	**गोपी लाल साहू, मु.पो. सलोन जनपद, रायबरेली**

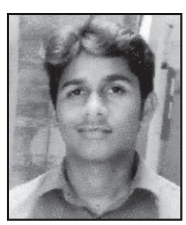

मोबाइल : 9454905199
ई-मेल : vikas1587@hotmail.com

दहेज रहित वधू चाहिए।
~~~

अच्छाईयों को कभी ना भूलें

एक राजा था जिसने दस खूंखार जंगली कुत्ते पाल रखे थे। उनका इस्तेमाल वह लोगों को उनके द्वारा की गई गलतियों पर मौत की सज़ा देने के लिए करता था। एक बार कुछ ऐसा हुआ कि राजा के एक पुराने मंत्री से कोई गलती हो गई। क्रोधित होकर राजा ने उसे शिकारी कुत्तों के सम्मुख फिंकवाने का आदेश दे डाला। सज़ा दिये जाने से पूर्व राजा ने मंत्रि से उसकी अंतिम इच्छा पूछी। 'राजन्! मैंने आज्ञाकारी सेवक से रूप में आपकी दस वर्षो से सेवा की है.. मैं सज़ा पाने से पहले आपसे केवल दस दिनों की मोहलत चाहता हुँ' - मंत्री ने राजा से निवेदन किया। राजा ने भी उसकी बात मान ली।

दस दिन के बाद राजा के सैनिक मंत्री को पकड़कर लाए और राजा का इशारा पाते ही उसे खुखांर कुत्तों के सामने फेंक दिया। परन्तु यह क्या! आश्चर्य हो गया. . . कुत्ते मंत्री पर टूट पड़ने की बजाए अपनी पूँछ हिलाकर कभी मंत्रे के ऊपर से यह सब देखता हुआ सोच रहा था कि आखिर खूंखार कुत्तों को यह क्या हो गया ? वे मंत्री से इस तरह का व्यवहार क्यों कर रहे है ? आखिरकार राजा से रहा नहीं गया और उसने मंत्री से पूछा -'ये क्या हो रहा है, मेरे कुत्तें तुम्हें मार डालने की बजाय तुम्हारे साथ प्रेमपूर्वक खेल क्यों रहे हैं ?'

'राजन्! मैंने आपसे जो दस दिनों की मोहलत मांगी थी, उसका एक-एक क्षण मैंने इन बेजुबानों की सेवा करने में लगा दिया। मैं रोज इन कुत्तों को नहलाता, खाना खिलाता और हर तरह से उनका ध्यान रखता था। ये खूंखार और जंगली होकर भी अपने प्रति मेरी दस दिनों की सेवा को नहीं भुला पा रहे हैं, परन्तु खेद है कि आप प्रजा के पालक होकर भी मेरी दस वर्षो की स्वामी भक्ति को भूल गए और मेरी एक छोटी सी त्रुटि पर मुझे मृत्युदण्ड की सज़ा सुना दी।' मंत्री ने कहा।

राजा को अपनी भूल का एहसास हो चुका था, उसने तत्काल मंत्री को मुक्त करने का आदेश दिया और आगे से ऐसी गलती ना करने का संकल्प लिया।

कई बार उस राजा के समान ही हम भी किसी की बरसों की अच्छाई को उसके एक पल की बुराई के आगे भुला देते हैं। यह कहानी हमें क्षमाशील होना सिखाती है और हमें सबक देती है कि हम किसी की हज़ार अच्छाईयों को उसकी एक बुराई के सामने छोटा ना होने दें।

इन्द्रजीत साहू
राष्ट्रीय उपाध्यक्ष
कानपुर

विनम्र निवेदन

समाज के लिए पूर्णतः समर्पित पत्रिका चेतना संदेश में प्रकाशनार्थ साहित्य की सभी विधाओं की श्रेष्ठ एवम अप्रकाशित रचनाए आमंत्रित हैं।

१. रचना साफ-साफ हस्तलिखित हो टाइप की हुई हो। रचना के अन्त में पूरा पत व हस्ताक्षर होना आवश्यक है।

२. प्रकाशित रचनाओं में किसी भी प्रकार का मानदेह पारश्रमिक देना सम्भव नहीं है।

३. अपने क्षेत्र में होने वाले सामाजिक कार्यक्रमों की सचित्र रिपोर्ट भी भेजे हम उन्हें सहर्ष स्वागत करते हैं।

४. पत्रिका आपसे सभी प्रकार के सहयोग की अपेक्षा रखती है आप स्वयं एवं समाज प्रेमी बंधुओं, एवं सम्बंधित संस्थाओं को इसके सहयोग के लिए प्रेरित करें।

५. रचना का स्वीकृत एवं अस्वीकृत करने का अधिकार सम्पादक मण्डल की बैठक में किया जायेगा।

६. प्रकाशित रचना में रचनाकार के स्वयं के विचार इसमें सम्पादक एवं प्रकाशक का सहमत होना आवश्यक नहीं है।

७. किसी भी प्रकार के विवाद की स्थिति में न्यायक्षेत्र जनपद लखनऊ (उ.प्र.) होगा।

-संपादक

प्राकृतिक जीवन शैली

1. हरियाली वनसम्पदा, उर्जा दे भरपूर।
करे प्रकृति से प्यार जो, रहे रोग से दूर।।
2. ताँबे के जो पात्र का, सेवन करले नीर।
उसे सताती है नहीं, कभी वायु की पीर।।
3. खा पपीता नित्य जो, कुपच न उसे सताय।
जो रस पीले बेल का, आँत शुद्ध हो जाय।।
4. हरी सब्जियों से करें, जो अपना उपचार।
उसकी नस-नस में बहे, शुद्ध रक्त की धार।।
5. प्रगति रूके आलस्य से, श्रम से होय विकास।
जो सो कर खोये समय,उसका होय बिनास।।
6. सुख भोगी सुख के बिना, सो नहिसुख से पाय।
श्रम सेवी सुख चैन की, बंशी नित्य बजाय।।
7. प्रकृति पुर्ण आहार से, व्यक्ति बने बलवान।
योग साधना से बने, मानव स्वयम् महान।।

जो मौसम की मार से, कभी नहीं घबराया।
अपने पौरूष से वही, पत्थर दे पिघलाय।।
क्षणिक सुखों के जाल में, फँस करके इन्सान।
तहस-नहस करने लगा, खुद अपनी पहचान।।
विधि-विधान से जो करे, तन-मन का उपचार।
उसके अन्त में नहीं, टिकता कभी विकार।।
जो अभाव की मार से, होता नहीं निराश।
बाधायें उसका नहीं, तोड़ सकी विश्वास।।
भौतिक सुख के भोग का, खाकर लोग प्रसाद।
इच्छाओं द्वारा करें, जीवन को बरबाद।।
माघ-पूष की बादरी, और क्वाँर का घाम।
इनसे लड़कर जीत लो, जीवन का संग्राम।।
हो बसंत का आगमन, गेंदा जब गदरायँ।।
फागुन बीते खेल लो, रंग, अबीर, गुलाल।
होरी के त्यौहार में, करना नहीं मलाल।।
तपे जेठ-बैशाख जब, लूसे रहना दूर।
नींबू का सरबत मिले, पेट भरो भरपूर।।
सावन भादों में करों, गंगा में स्नान।
रात्रि पहर ले बाँसुरी, छेड़ो मीठी तान।।
क्वाँर माह की पूर्णिमा, में मेवा की खीर।
जो खाये उसकी मिटे, अन्तर मन की पीर।।

कवि- मुन्नी लाल जी
उन्नाव

गांधी दर्शन

हम भारत वासियों के साथ विश्व में भी ऐतिहासिक महापुरूष सत्य अहिंसा के पुजारी राष्ट्रपिता महात्मा गाधीं जयन्ती मनायी ईश्वर की अनुपम कृति 'मानव' सत्य है कि ''पर सेवा'' करके मन व अपने जीवन के साथ दूसरे लोगे का भी जीवन बदहाल से निहाल कर सकता है। सेवा के रूप व कार्य क्षेत्र राजनीति आर्थिक शिक्षा व स्वास्थय से जुडे होते है। ''पर सेवा'' की स्पष्ट छाप त्याग, बलिदान की मूर्ति देश की आजादी व आन्दोलनों के जनक गाँधी जी के जीवन में देखने को मिलती है।

परन्तु क्या ? आतंक व हिसां के आगे गांधीी जी के सत्य अहिसां बुरा न देखो, बुरा न सुनो न कहो के सिद्धान्त धूमिल पड़ गये ? मन्थन करे उत्तर ''कदापि नहीं'' इसका प्रत्यक्ष उदाहरण सार्क देशो (भारत, नेपाल, भूटान, पाकिस्तान, अफगानिस्तान, माहादीप, श्री लंका) ने पाकिस्तान में होने वाले सार्क सम्मेलन का हिंसा व आतंकवाद को चलाने वाले पाकिस्तान का बाहिष्कार किया तथा विश्व के अन्य देशो ने जमकर फटकार लगायी कि पाक आतंक व हिंसा को छोडे व सत्य, अहिंसा को अपनाये। गांधी जी के हाथ में पकडी लाठी का अपना एक अलग सन्देश है। इस पर गौर करें तो सत्य अहिंसा की रक्षा हेतु शस्त्र उठाने से पीछे न हटे इसका भी प्रत्यक्ष उसी हमले के बाद भारतीय सैनिकों ने सीमा पार पाकिस्तान में घुसकर आर्तकियों को मारा।

गांधी जी ने सामाजिक उत्थान में देश आजाद कराया तथा स्वदेशी करण व कुटीर उधोगों पर प्रकाश डाले तो ''मेक इन इण्डिया'' (मोदी जी का) इसी स्वदेशी करण की नकल है गांधी जी ने कहा था कि स्वदेशी करण व कुटीर उधोगों से काफी हदतक बेरोजगारी मिट जायेगी। देश का आर्थिक व सामाजिक विकास इसी के द्वारा सम्भव है। जो कि आज के परिवेश में सही है।

इस अत्याधुनिक युग में भी गांधी जी के आदर्श, सिदान्त व विचार, जीवन दर्शन अतुलनीय व अमर है। तभी तो भारत व विदेशो में उनके नाम पर सडकें व मुख्यलयों चौराहों पर लगी मूतियाँ चश्मदीद गवाह है।

पदमचन्द्र साहू
(एडवोकेट), कानपूर
मो०-9125441055

राजस्थान का बैवाहिक कार्यक्रम सम्पन्न

5 अप्रैल 2017 दिन बुधावार राम नवमी को जिला बारा राजस्थान में भारतीय तैलिक साहू राठौर महासभा की जिला इकाई के अध्यक्ष जुगल किशोर नौणावा एवमं समस्त सहयोगियों के सहयोंग से सामूहिक विवाह का आयेजन सफलता पूर्वक सम्पन्न हुआ। संस्था के मुख्य अतिथि माननीस राष्ट्रीय अध्यक्ष राम नारायण साहू पूर्व सांसद राष्ट्रीय अधयक्ष तैलिक साहू राठौर महासभा उपस्थिति रहकर नव युगल दम्पतियों को शुभआर्शीवाद प्रदान किया। कार्यक्रम में सकल तेली समाज के भाइयों ने अपने विवाह योग्य सन्तानों का सामूहिक विवाह सम्मेलन में करवाकर सामाजिक व आर्थिक सांस्कृतिक उन्नयन के इस शुभ संकल्पित सामाजिक समारोह को भव्य बनाने में सहयोग प्रदान किया। समाज में समता, समरसता संगठन एवम भ्रातत्व भाव की अभिवृद्धि हेतु आयोजित पावन पुनीत सामाजिक महायज्ञ में माननीय बाबू जी अपनी गरिमामयी अपस्थिति आयोजकों में उत्साह एवम उर्जा भरने का कार्य करेगा

कार्यक्रम आयोजन समिति (तेजस) तेली बन्धु जन कल्याण समिति के अध्यक्ष राधो श्याम परिहार कोषाध्यक्ष बृजमोहन सलूण्डिया, मत्री ओमप्रकाश साहू, सत्यनारायण बालोदिया संरक्षक मण्डल में सर्वश्री मैरूलाल वडमहावर, मैरूलाल, घंसी लाल बल सोश आदि समाजप्रेमियों के सहयोग किया जाना ही सफलता का परिचायक है।

जगदीश साहू
सहसंगठन मंत्री
प्रान्तीय तैलिक साहू महासभा
जयपुर-राजस्थान
मो0 9414140839

समाज की बेटी प्रीती कुमारी साहू बनी रेल ड्राइवर

बाँदा :- उ० प्र० सुश्री प्रीती कुमारी साहू का चयन असिसटेन्ट लोको पाइलेट पद पर हुआ है।
ग्रह जनपद बाँदा —————— जन्म माता श्रीमती —————— सामाजिक महिला एवम गृहणी है पिता धानीराम साहू बैकिंग सेवा में —————पद पर सेवा में है।

सुश्री प्रीती साहू ने बताया कि माता, पिता, गुरूजनों के आर्शीवाद से यह उपलब्धिा मिली है। अधयन में सदैव उत्कृष्ट स्थान प्राप्त रिके यह सफलता हासिल हुई है। प्रबल इच्छा शक्ति एवक मन में दृढ़ संकल्प हो कोई कार्य नमुमकिन नहीं है। असिस्टेन्ट लोको पायलेट बनने पर साहू समाज को गौरवान्ति किया हैं। संस्था प्रीती कुमारी के उज्जवल भविष्य की कामना करते हुए, उन्हें हार्दिक बधााई देती है।

सम्पादक –

एक सफल व्यक्तिव

–साहू संगमलाल गुप्ता

ब्रिटेन के प्रधान मंत्री डिजराइजली ने कहा था, एक महान व्यक्ति कौन होता है? क्या महान व्यक्ति वह है। जो एक विशाल सामाज्य का स्वामी हो अथवा उसके पास एक विशाल सेना हो। अथवा एक योद्धा एवं महान विजेता हो अथवा धन सम्पति का स्वामी हो इनमें से कोई व्यक्ति महान हो सकता है। किन्तु उपरोक्त बातें में से आवश्यक रूप से एक भी बात महान व्यक्ति का मापदण्ड कदापि नहीं हो सकती है। एक महान व्यक्ति वह है जो अपनी सर्वमुखी व्यक्त्वि की अमिट छाप अपने समकालीन मानव समाज के उपर छोड देते हैं। तथा आने वाली पीढी के लिए प्रेरणा श्रोत का कार्य करता है। डिजराइली की परिभाषा के अनुसार आदरणीय साहू संगम लाल गुप्ता जी निर्शचय एक महान व्यक्ति हैं। साहू संगम लाल गुप्ता एक कुशल संगठन कतो, दूरदर्शी, राजनीतिग एवम सफल प्रशासन है। संगठन और राजनीति में जिस पद पर हैं अनेक महान व्यक्तिव की गरिमा में चार चाँद लगाने में समाज एवम क्षेत्रिय जनता ने अटूट विशवास जताकर जन नेता बनाकर माननीय बनाने का कार्य किया है।

साहू संगम लाल गुप्ता का जन्म 01 अप्रैल 1971 में मुहल्ला साहवगंज टाउनएरिया कटरा प्रताप गढ उ०प्र० स्व० कडेदीन गुप्ता (तैलिक परिवार) में हुआ था। पिता जी एक समाज प्रमी एवम उदार प्रवति के साथ सामाजिक कोर्यो में विशेष योगदान रहता था।

–सम्पादक

अपराधी अपने सिवाय और सबको दोष देता है।

कर्मा देवी घाम घूरेल, स्थान म० प्र० ब्यवरा (मध्य-प्रदेश)

दिनांक 25 मार्च 2017 शनिवार

जिला राजगढ़ गुना मध्य प्रदेश में यमाज की कुल माता भक्त शिशेमणि माँ कर्मा बाई की अनुकम्पा से 838500 स्कवोर फिट भूमि पर कर्माधाम का शिलान्यास व भुमि पुजन का कार्यक्रम हर्ष उल्लास पूर्वक सम्पन्न हुआ। मुख्य अतिथि माननीय राम नारायण साहू पूर्व सांसद , राष्ट्रीय अधयक्ष भारतीय तैलिक साहू राठौर महासभा की प्रेरणा से मध्य प्रदेश इकाई के प्रदेश अध्यक्ष नरेन्द्र साहू के नेतृत्व व सत्येन्द्र साहू प्रदेश महामंत्री अमृत लाल साहू कार्यवाहक अध्यक्ष व पदादि कारियिाके सतत् प्रयास से हजारवीं जयन्ती पर आयोजित कार्यक्रम में अपनी विशिष्टताओं व सौहार्दपूर्ण वातावरण का यह सम्मेलन चिरस्मरणीय रहेंगा।

हमारे समाज की प्रगति प्रयासों की श्रखंला में सदैव स्वभिमान के साथ स्मरण किया जाएगा। मुख्य अतिथि माननीय राम नारायण साहू विशिष्ट अतिथि माननीय प्रधानमंत्री के अनुज भ्रता श्री माननीय वरिष्ठ समाज सेवी गुजरात प्रहलाद भाई मोदी जी कार्यक्रम में अपनी गरिमामयी उपस्थिती व समय देकर आयेजन को सफल बनाकर उसे आकर्षक अनुकरणीय व ऐतिहासिक बना दिया, उपस्थिति अतिथियों व महानुभावों का स्वागत संस्था के पदाधिकारी द्वारा गुलदस्ता, साल, स्मृति चिन्ह देकर गौरवान्ति किया देश भर से आए सम्मानित स्वाजातियों को स्वागत कर अपार एकजुटता का परिचय दिया।

उपस्थिति महानुभवों में माननीय राम अवतार साहू प्रदेश अध्यक्ष (उ०प्र०) राजेश साहू मीडिया प्रभारी रामशंकर तेली युवाकार्यवाहक अधयक्ष अजुन देव नरेला सम्पादक साहू दर्पण एस० राहुल प्रदेश अध्यक्ष दिल्ली, सम्मेलन को सम्बोधित करते हूए माननीय राष्ट्रीय अध्यक्ष ने कहा समाज में महिलाओं को सशक्त व शिक्षित किया जाय। संगठन का विस्तार वार्ड स्तर तक प्रत्येक जिले में किया जाय। बेरोजगारी, अशिक्षा, गरीबी, सामाजिक बुराईयों से लडने का संकल्प ले। संगठन की प्रगति के लिए वर्षगत के कार्यक्रम निशचित किये जायं। चिन्तन भिविर व प्रशिक्षण का आयोजन करना बहुत उपयोगी हो सकते है।

प्रदेश अधयक्ष नरेन्द्र साहू ने अतिथियों का आमार व्यक्ति किया।

दिनेश साहू सिल्लन, युवा प्रदेश अधयक्ष म०प्र०

पत्र–व्यवहार

सेवा में,

सम्पादक महोदय दिसम्बर 16 का अंक चेतना सन्देश दिसम्बर पढी, आवरण देखकर मन हर्षया कार्यक्रम, लेख, बहुत ही सुन्दर है।

–गुरूप्रसाद साहू, झांसी

सेवा में,
प्रधान सम्पादक महोदय जी
सादर प्रणाम,

चेतना सन्देश पत्रिका मिली, बहुत खुशी हुई, समाजिक कार्यक्रमों की झलकियाँ देख कर दिल गद–गद हो गया।

चेतना सन्देश के सम्पादक मण्डल को बहुत–बहुत बधाई।

नव सम्वत सर की बधाई।

तेजबहादुर गुप्ता
प्रदेश संरक्षक
बाराणसी
9451983780

सेवा में,

प्रिय सम्पादक जी

चेतना सन्देश सामाजिक, एवम राजनीतक परिवर्तन की दिशा में अग्रसर इस पत्रिका का बेसब्री से इन्तजार रहता है। इसका प्रत्येक लेख, कविता, मनोहारी आकर्षक होते है। कुशल सम्पादन हेतु सम्पादक मण्डल को कोटिश: बधाई यदि इस पत्रिका में एक पेज वैवाहिक परिचय के लिए रखा जाए। जो समाज की आवशयकता है। पत्रिका उत्तोरस्त्तर विकासोन्मुख रहे।

इसी अभिलाषा के साथ।

केशव राम राठौर
जिलाअध्यक्ष
लखीमपुर

जिन्दगी बहुत खूबसूरत है, प्यार से जियो रोज सिर्फ इतना करें।

खुशी को................Save
गम को......................Delete
रिश्तों को.............Recharge
दोस्तों को............Download
दुश्मनों को..................Erase
सच को.............Broad Cast
झूठ को...............Switch off
तनाव को..Not rechargeable
प्यार को...............In coming
हंसी को......................In Box
नफरत को............Out Going
आशुओं को..............Out Box
गुस्से को.......................Hold
मुस्कान को....................Sent
हेल्प को..........................Ok
दिल को.....................Vibrate

फिर देखो दिल का टोन कितना प्यारा बचता है।

ललित साहू
कानपुर
मो.:9455102336

"मंच के चमत्कार"

.हमें याद रखना होगा कि पैसे हमारी आवश्यकताओं की पूर्ति तो कर सकता है, लेकिन हमारे जीवन का उद्देश्य पूरा नहीं कर सकता।

.उद्देश्य केवल तभी पूरा होगा जब हम पैसें को भूलकर प्लेटफार्म की खोज करेंगे।

.एक ऐसा प्लेटफार्म बनाए जिसकी बदौलत हम दुनिया को दिखा सके कि हममे भी कुछ दम है। हमारे भीतर भी कुछ ऐसा छिपा है जो दुनिया को देने लायक है।

. अपनी योग्यता को अपनी काबलियत को दुनियाँको पूरे रंग में दिखा सके तो सफलता पीछे-पीछे दौडेगी। आज तक का रिकार्ड है जिन लोगों ने अपनी प्रतिभा का जमकर प्रदर्शन किया है, उन्होंने दौलत और शोहरत दोनो कमाई है।

.कभी इसके चक्कर में मत पड़ो कि आपकी योग्यता के बदले कौन कितना पैसा दे सकता है। बल्कि इस बात की खोज करों कि ऐसा कौन सा मंच हो सकता है जो अपनी योग्यता को निखार कर दुनिया के सामने पेश कर सकता है।

.मैने अनेक प्रतिभाशाली युवाओं को बढिया सैलरी की तलाश में नहीं बल्कि किसी अच्छे बड़े बैनर की तलाश करते हुए देखा है। वे पैसे के लिए नहीं भाग रहे होते, बल्कि एक प्लेटफार्म के लिए भाग रहे होते हैं। एक दिन ऐसा आता है, जब वे आगे-आगे होते हैं और उनके पीछे-पीछे पैसा दौड़ रहा होता है।

. जो लोग धन के पीछे नहीं भागते, बल्कि अपनी योग्यता को उच्च स्तर पर ले जाने के लिए किसी मंच की तलाश करते हैं धन उनके कदमों में गिरता है।

. पैसा-पैसा के पीछे भागने से नहीं आता जितना मर्जी भाग लीजिए। पैसा तब आयेगा जब आप दुनिया को दिखा देगें कि आप अधिक से अधिक पैसा पाने योग्य है और योग्यता दुनिया को तभी दिखाई देगी, जब आपको एक सही मंच (प्लेटफार्म) मिल जायेगा।

डा॰ वी॰ के॰ साहू
मण्डल अध्यक्ष
कानपूर
मो0- 9839931015

विजय का गुलाल सत्य की राह

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी देश के लिए वरदान है, उनमे इस सदी का विकसित भारत दिखता है मोदी जी का बहुत विरोध, लेकिन आप सत्य की राह पर चलते रहे। पूरी दुनियाँ इस समय हिंसा के चपेट में है। लेकिन मेरा यकीन है कि आपकी नीतियां उन पर जीत हासिल कर लेंगी। पकिस्तान के पीएम को मोदी जी ने करारा जवाब दिया कहा दुनियां से पाक को कर देगें अलग-अलग एक मात्र ऐसा देश जो दुनिया भर में आतंक का निर्यात करने में लगा है वो दिन दूर नहीं होगा जब पकिस्तान की आवाम हुक्मरानो के खिलाफ लड़ाई लडेगें। भारत उड़ी हमले को कभी भूलेगा नहीं और 18 जवानों की शहादत व्यर्थ नहीं जायेगी।

मीना साहू, लखनऊ
Email: meena sahu@yahoo.com
Mob.: 9506675751, 7668337314

स्वर्णिम समय मत खोइये

मित्र लम्बी तानकर मत सोइये।
चेतना के नीर से मुख धोइये।
काहिली से खेत परती पड़ गये।
भूमि है उर्वर बहुत, कुछ बोइये।
अब शहीदों की कतारे मौन हैं।
दुर्दशा पर देश की खुद रोइये।
मिल गये हैं स्वप्न सबके धूल में,
आप अपने स्वप्न आप संजोइये।
यह सुहानी भोर थोड़ी देर है,
नींद में स्वर्णिम समय मत खोइये।

—डॅा. सत्यकाम शिरीश,
मो॰: 7388028138

A LETTER FOR NATIONAL PRESIDENT

Bhartiya Talik Sahu Rathoure Mahasabha (INDIA)

Respected,
Sri Ram Narayan Sahu Ji, Namasthe,

I am Happy to say that the Community Magazine "CHETHANA SANDHESH" is creating awareness among the community people and as well, this magazine has enabled several benevolent members to help the needy and economically poor students to pursue higher studies and giving support to Civils Services (IAS/IRS/IPS) aspirants and also improve their morale and self-respect in the day to day life and also by extending required information to the community people in all over India. I understand that the magazine is popular in the states of Uttar Pradesh, Madhya Pradesh, Haryana, Bihar, and Orissa and some other states in India. The management of the magazine is doing its best by extending certain service activities for the welfare of the poor and needy of the community. I am thanking you and all organizers for doing such welfare activities. The GANDLA (Teli) Community, which is economically very backward is known with different names in different states of our country.

This community is known with different names in different States in Telangana and Andhra Pradesh-it is also called as Deva Gandla and Telikula Gandla and Sajjana Gandla In Karnataka, Ganiga's, It is also called as Lingayath Ganiga/Lingayath, Sajjanar's /Sajjana Ganigar, Vaniyan. In Gujarath-Ghanchi/Telik/Rathore. In Maharastra – Teli. In Tamilnadu and Chettiyar/Vanika Vaisya. In Kerala, Chakkala.In Orissa, Uttar Pradesh, Madhya Pradesh and also In Assam State called as Teli, Sahu etc., but basically their profession is common, i.e. OIL pressing, OIL producers. They were originally Oil Pressers.

For Community Development in different States Associations are getting formed tofocus on the problems of this community and to get them solved, but there is need to be united and need to form a federation of all the State Associations to get their demands solved.

For GANDLA Community Welfare and Development of the Gandla Caste people in Telangana State and also In Andra Pradesh State, we need separate "FINANCE CORPORATION" and sub-castes like Sajjana Gandla and Teli"s and sahu's adding in BC - B Group along with Gandla Caste and changing the caste from Group BC- B group to BC-A Group.Every Teli Can feel Proud because of Our Prime Minister Narendra D Modi also from Teli Community.

He is the best prime minister India ever had. He leads more than a billion people but still he is humble like a common man. Entire world is looking at him and learning from his great leadership. His family and his brothers also live a humble life. His family supports him in the service to the nation. They all seek no favors

from him and lead simple lives like any common man of India.

Modi ji is a Man with a Mission. He started number of public service schemes. He started Clean India Movement. It is India's largest ever cleanliness drive with 3 million government employees, and especially school and college students from all parts of India, participating in the campaign.The objectives of Swachh Bharat are to reduce or eliminate open defecation through the construction of individual, cluster and community toilets. He introduced many other great programs for the citizens like Smart City Mission, One Rank One Pension Scheme, HRIDAY, PMAY etc. Anyone can now open an account in a bank, thanks to the financial inclusion scheme – Jan Dhan Yojana. Mann ki baat - A first such initiative in India where a top leader addresses millions, that too periodically, Digital India - This flagship program of Communications Ministry aiming to create a knowledge economy and good governance is travelling in the right path. Every minister and every ministry is now on Twitter.Real Estate regulation - Apart from making the process transparent and keeping checks and balances in the form of a Real Estate Regulatory Authority, the law drafted by Housing Ministry gave confidence to home-buyers. India-Bangladesh land boundary agreement - When India is facing boundary disputes with every neighbour, this agreementgives optimism that issues can be amicably solved over diplomacy. The people living in the enclaves that were recently annexed to India even exercised their franchise in the recently concluded West Bengal Assembly elections.Like this there are number of programs that are benefitting every individual of our country.

Instead of showing people rose-colored dreams, and offering them freebies, he is asking them to be a partner in the nation's development. No government can usher a revolution until its people take ownership and responsibility. Modi is doing exactly what Mahatma Gandhi demonstrated 65 years ago — harnessing people power. Modi ji is For the People and By the People. From all over India 16 Crore People from Teli Community need to Support Narendra D Modi ji for his relentless service to the nation. All of us should support him whole heartedly and unconditionally without expecting any favors. Let's join our hands together for creating a GOLDEN AGE of INDIA under the great leadership of our PM Shri Narendra Modi ji.

Jai Hind, Jai Gandla,Jai NaMo, Jai Ho "BHARATIYA TAILIK SAHU RATHORE MAHASABHA."

"SATYE MEVA JAYATHE"

Praveen Kumar Korpole, Gandla Teli,
Contact No - 09390100002,
Hyderabad, TELANGANA STATE.

~~~
~~~

भारतीय तैलिक साहू राठौर महासभा, लखनऊ की प्रांतीय बैठक मे एकत्रित समाज के सभी जनपदों से प्रतिनिधिगण।

इलाहाबाद सामुहिक हत्याकांड के विरोध मे धरने के उपरान्त सिटी मजिस्टेट लखनऊ को ज्ञापन सौपते राष्ट्रीय अध्यक्ष।

भारतीय तैलिक साहू राठौर महासभा, लखनऊ की प्रांतीय बैठक को सम्बोधित करते राष्ट्रीय अध्यक्ष, श्री राम नरायन साहू।

महाराष्ट्र की महिला प्रदेश अध्यक्ष, राधिका अशोक मखमले महिला पदाधिकारियों के साथ।

लखनऊ मे राष्ट्रीय अध्यक्ष को श्रीमद्‌भगवत गीता भेंट करते गुजरात के प्रमुख महासचिव श्रीनरायन साहू।

लखनऊ मे इलाहाबाद सामुहिक हत्याकांड के विरोध मे धरने का नेतृत्व करते संस्था के राष्ट्रीय अध्यक्ष, श्री राम नरायन साहू व अन्य पदाधिकारी।

लखनऊ के प्रांतीय बैठक मे लॉकी ड्रा विजेता श्री राजतिलक साहू को सम्मानित करते श्री अरविन्द गांधी, श्री राम नरायन साहू, श्री राम औतार साहू व श्री इंन्द्रजीत साहू।

फैजाबाद के कार्यक्रम मे श्री मनोज साहू राष्ट्रीय परामर्शदाता को प्रतीक चिन्ह भेंट करते हुए।

श्रृद्धेय शिव नरायन साहू की पुण्यतिथि पर सादर श्रृद्धांजलि अर्पित करते श्री राम नरायन साहू व भतीजे श्री विजय साहू।

लखनऊ मे राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री राम नरायन साहू जी से वार्ता करते गुजरात के प्रदेश अध्यक्ष श्री राजमोहन मोदी।

ऊर्जा

आत्म प्रशंसा

अपनी पशंसा का अर्थ है अपनी शुभकामना करना। अपने प्रति विचार प्रकट करना। दरअसल हम प्रतिदिन दूसरों की मंगलकामना करते है। आप स्वस्थ रहें, आपको यश मिले, आपके जीवन में शुभ हो, अपने बच्चों को आर्शीवाद देते है। कि खुश रहो, तुम्हारा कल्याण हो। यह आशीर्वाद उनके जीवन में फलित हो। अब प्रश्न है कि अगर हमें विशवास है कि हमारे आशीर्वाद से या शुभकामना से अगर वह दीर्घायु हो सकते है आपके आशीर्वाद से हम भी तो दीर्घायु हो सकते है। हम भी तो अपने जीवन में सफल हो सकते हैं। ऐसा इसलिए क्योकि हम मानते हैं कि हमारे अंदर जो आत्मा है वही परमात्मा है। उसी आत्मा में निवास करने वाले परमात्मा की कृपा से हम किसी को आशीर्वाद देते है। दीर्घायु होने की कामना करते है। अगर उस परमात्मा की कृपा से हम दूसरों को दीर्घायु बना सकते हैं, जीवन में उसे सफल बना सकते है तो उसी आशीर्वाद से हम भी दीर्घायु बन सकते है। ऐसा इसलिए, क्योंकि आशीर्वाद देने वाला मै नहीं हूँ, कोई परमात्मा है जिनकी ओर से बच्चों को आशीर्वाद दे रहे हैं। स्वयं को आशीर्वाद देना बहुत उत्तम विधि है। मैं सदैव आनंद से भरा रहता हूँ, मैं ऊर्जावान हूँ, मैं मन से और तन से पूरी तरह आनंदपूर्ण हूँ। प्रतिदिन ऐसा भाव करें। हमेशा आशावान, आकर्षक ,रागमय और प्रफुल्ल बने रहें, क्योंकि उदासी एक बीमारी है।

उदास व्यक्ति की चिंता के कारण आयु कम हो जाती है। इसलिए अपने जीवन के प्रत्येक क्षणों को महोत्सव बनाएं, दूसरे की चिंता छोड़े, क्योकि आप अनुभव करेगें कि आप बीमार हैं, वृद्ध हो रहे हैं, चिंता मे हैं तो निशिचत रूप से यह चिंता किसी दूसरे के कारण है। अपने दूसरों का दुख ओढ़ लिया है। इसलिए आप दुखी हो रहे हैं, क्योकि आपको तो अपना दुख है ही नहीं। आप दूसरों की चिंता करना छोड़ दें, तो आप सुखी हो जाएगे। लेकिन विडंबना यह है कि जिसकी चिंता आप कर रहे है, वह मित्रें के साथ सिनेमा देख रहा है। वह अपना जीवन जी रहा है और यहां आप रात-रात भर जागकर उसी की चिंता में परेशान हो रहे हैं। हमें इससे बचना चाहिए।

जै किशन साहू, गाजीपुर
राष्ट्रीय वरिष्ठ उपाध्यक्ष
मो0 9415241047

होली का त्योहार

होली का त्योहार कभी था फागों और कबीरों का।
भांग और ठंढाई के संग गुझियों रंग अबीरों का।।
छोटे बच्चों की टोली जब भारती थी किलकारी।
रंग से सराबोर कर देती पिच्च पिच्च पिचकारी।।
समता का सन्देश साथ में होली का त्योहार किये।
पर देखो तो कैसे फूहड़ मानव ने व्यवहार किये।।
होली होली में जल जाती राख शेष कहलाती ।
आज उसी की बेमन कोरी रस्म अदाकी जाती।।
होरी के हुरियारों ने ये क्या से क्या कर डाला।
रंग अबीर की जगह डालते मोबिल आयल काला।।
भाई-भाई को चरने में लगा रहा श्रम सारा।
भातृभाव की झलक नहीं, फिर कैसा भाईचारा ?
होली में अब अपनाते हैं बड़े-बड़े हथकण्डे।
कभी-कभी तो चल जाते है लाठी जूते डंडे।।
होली में ही जाती है वर्षो की गांठे खोली।
रंग और रोली के बदले लगती माथे गोली।।
मानव की हिंसा ने ऐसा कसके जकड़ा।
होली, जिसको जल जाना है, जलने में भी झगड़ा।।
अहंकार ईर्ष्या ने इसमें ऐसे जहर निचोड़े।
मदिरा पीकर करें उपद्रव बेलगाम के घोड़े।।

-आनन्द प्रीतम

भूल करना तो पाप है पर उसे छिपाना उससे भी बड़ा पाप है।

काला धन, आर्थिक प्रशासन एवं राजनीतिक निर्णय

काली मुद्रा के बाद काला धन का मुद्दा सामने आता है। प्रधान मंत्री के समक्ष यह गंभीर चुनौति के रूप में खडा है। काली मुद्रा का सफाया करना तो फिर भी आसान है परन्तु काले धन की सफाई करना बेहद कठिन और दुष्कर कार्य है। आज प्रधानमंत्री ने साफ-साफ संकेत दिया है कि अब अगला निशाना काला धन ही है परन्तु मेरी समझ यह कहती है कि मोदी जी 'कहीं पे निगाहें और कहीं पे निशाना वाले कहावत को एक बार फिर चरितार्थ करेंगे। बात शुरू करने के पहले कुछ बातें स्पष्ट हो जानी चाहिये।

1. काला धन क्या होता है ?
2. काले धन की समस्या भारत में कब से है ?
3. अर्थव्यवस्था को यह कैसे प्रभावित करता है ?
4. क्या काला धन केवल बेईमानो द्वारा हीं बनाया जाता है अथवा तथा कथित ईमानदार लोग भी ऐसा करते हैं ?
5.काला धन और भ्रष्टाचार आपस में कैसे जुड़े हैं ?

यहाँ पर मैं बेहद कानूनी न होकर धारणा के आधार पर कहना चाहूंगा। वह सम्पति जो मान्य एवं प्रचलित कानून से हटकर अर्जित की जाय। काला धन की श्रेणी में आएगा। परन्तु कोई जरूरी नहीं हे कि वह धन भ्रष्टाचार या गलत आचरण के द्वारा अर्जित हो । कभी-कभी कानूनों की अल्प जानकारी या उचित जानकारी के अभाव में भी काला धन देखा गया है फिर भी अपनी मान्य क्षमता की अपेक्षा बहुत ज्यादा धन एकत्रित हो जाता है तो सवाल खड़ा होना लाजमी है। और ऐसा होना भी चाहिए। दरअसल भारतीय संस्कृति का मूल चरित्र थोडा उद्दात स्वभाव का है। यदि अंकुश न लगाया जाय तो अतिरेक होने की सम्भावना बनी रहती है। इसके पीछे कोई जानबूझकर उठाया गया कदम और बहाव के साथ बहने की आदत ज्यादा होती है। पिछले 70 वर्षो में या यों कहें अंग्रेजों के आने के बाद से हीं, या और भी दूसरे शब्दों में लोकतान्त्रिक व्यवस्था के आने के पश्चात् यह एक समस्या के रूप में सामने आता है। राजशाही व्यवस्था में केवल कुछ लोगों को यह एक विशेषाधिकार के रूप में प्राप्त था लोकतंत्रिक व्यवस्था में यह सबका विशेषाधिकार बन जाता है। शायद इसीलिए लोकतंत्र का मूल मंत्र होता होगा,''सभी समान है'' तथा सभी को ''कानून का समान संरक्षण ''प्राप्त होगा। लोकतान्त्रिक सत्ता का एक और खास चरित्र होता है-विरोध करने वाले को या तो मिला लो या फुसला दो। पिछले 70 वर्ष तक यही होता रहा है। हमें अभी भी यह विश्वास नहीं हो पा रहा है कि सदियों से चली आ रही परंपरा एक झटके में कैसे समाप्त हो सकती है। यहाँ पर मेरा मंतव्य कतई मोदी जी का गुणगान करना नहीं है। बस केवल स्थापित परंपरा का कानून द्वारा कैसे ध्वस्त किया जा सकता है उसकी वानगी बता रहा हूँ।

कानून तो पहले भी था, कानून आज भी है। फिर भी वही कानून किसी के हाथ में खिलौना बन जाता है तो किसी के हाथ में सोना प्रधानमंत्री ने ऐसा कुछ नहीं किया है जो सर्वथा अकल्पनीय हो। उन्होंने बस थोडा हटकर किया है और यही हम पचा नहीं पा रहे हैं। काले धन को वो कौन सी योजना लेकर आते है। देखना बडा ही दिलचस्प होगा। अभी जिस प्रकार नकदी को लेकर अफरा तफरी मची हुई है वो कोई कम है क्या लग रहा है कि सब कुछ ठहर सा गया है। बाजार बंद पडे है दुकाने सूनी हैं और चेहरे पर खामोशी हर कोई मानो इस कोशिश में लगा है कि वो बेईमान साबित न हो जाय। इसलिए एक बनावटी हसीं भी ओढ़ा हुआ है। सभी को मानो इस कोशिश में लगा हुआ है कि इस यज्ञ में वह भी एक ईमानदार आहुति दे रहा है। निश्चित तौर पर समाज का व्यापक तबका इन सब चीजों के लिए तैयार है, इसलिए नहीं कि वह कानून से डरता है, बल्कि इसलिए कि हमारा बुनयादी चरित्र साफ-सुथरा रहना है समय के प्रवाह और तत्समय राजनीतिक संस्कृति के साथ बह जाना मानवीय भूल के अलावा और कुछ नहीं है। तो क्या हम एक नई राजनीतिक संस्कृति को जन्म दे रहे हैं, जिसके अंतर्गत स्वाभाविक रूप में कानून का शासन अपना कार्य करेगा। यदि ऐसा है तो स्वागत योग्य कदम है, वर्ना इसके भयानक दुष्परिणाम भी हो सकता हैं।

अंग्रजों ने जिस राजनीतिक संस्कृति को प्रश्रय दिया वो सर्वथा भ्रष्टाचार एवं सांस्कृतिक पतन पर आधाारित था। गाँधाी ने अपनी पुस्तक 'हिन्दी स्वराज 'में एक जगह लिखा है, "What kind of system do you want after independence ? The people say," we will have our own Constitution, own song and own people."Then Gandhi says that" you want English system without the English people. What substantial transformation can you aspire in the same old system" यह बात आज बेहद प्रासंगिक

हो गया है सिस्टम आज सडकर बदबू मार रहा है केवल सामान्य ऑपरेशन से काम नहीं चलने वाला है इसलिए जो भी इस सिस्टम के खिलाफ जाकर निर्णय लेता है, या तो वह नायक बनता है अथवा खलनायक फिलहाल स्थिति मोदी जी के पक्ष में जा रही है। तो क्या काला धन के खिलाफ निर्णायक युद्ध का समय आ गया है? मेरे अनुसार ऐसा कहना अभी थोडी जल्दबाजी होगी मोदी जी अभी एक या दो निर्णय जनता के मन को पुन: टटोलने को लेकर ले सकते हैं। इससे ज्यादा शायद नहीं हो सकता है कि इसी बीच वे पाकिस्तान के खिलाफ कोई निर्णायक निर्णय ले लें। नेता मोदी जी अभी जनता के नब्ज को पकडने की कोशिश करेंगे पांच राज्यों में चुनाव आसन्न है। इसलिए वे फूँक-फूँक कर कदम रखेंगे तथा साथ ही साथ नोटबंदी की सफलता और असफलता को भी समझ लेंगे। तब तक इन्हें अगले सर्जिकल स्ट्राइक के लिए पर्याप्त समय भी मिल जाएगा।

यदि निष्पक्ष ऑकलन किया जाय तो इस समय भारत में राजनीतिक एवं प्रशासनिक भ्रष्टाचार अपने चरम पर है, खास तौर से उत्तर भारत के राज्यों में प्रशासनिक चरित्र का रूपांतरण पूरी तरह से राजनीतिक हो चुका है जाहिर सी बात है व्यवस्था तो चरमराएगी हीं जातिगत आग्रह एवं धर्मगत विभेद समाज को अन्दर से पूरी तरह खोखला कर चुके है एक हल्का सा धक्का भी इसे जड़ से गिरा देगा। यहाँ सवाल अब इस बात पर लेकर नहीं की जानी चाहिए कि प्रधानमंत्री ने सही या गलत निर्णय लिया है अपितु चर्चा इस बात को लेकर होना चाहिए कि वर्तमान व्यवस्थागत गंदगियो में कैसे एक सामान्य नागरिक अपना जीवन यापन कर सके। व्यवस्था से जब भरोसा उठता है तब हमारे स्थापित मूल्य एक एक करके टूटने लगते है और विद्रोह की स्थिति बन जाती है अभी भी पुराने मूल्यों के कुछ पैरोकार कोई कसर नहीं उठा रखे है कि यथास्थिति बनी रहे। दरअसल सामंतवाद सत्ता नहीं वरना एक मानसिकता होती है और यही सोच समाज में तमाम विसंगतियों को जन्म देती है। अमीरी और गरीबी इसी अवधारणा की एक कडी है मार्क्स से लेकर हाल में राल्स ने तमाम विद्वानों ने इन गुत्थियों को अपने अपने ढ़ंग से समझने की कोशिश की परन्तु समाज का बनाया ढ़ांचा अभी भी इसे स्वीकार करने को तैयार नहीं है। बीच में समाजवादियों ने विशेषकर लोहिया के नेतृत्व मे एक जोरदार हमला बोला, परन्तु तथा कथित समाजवादी और भ्रष्टाचारी एकनामी और एकरंगी हो गए। पूंजीवादी शक्तियां तो इसी का इंतजार कर रहीं थी। उदारवाद के नाम पर लूट-खसोट की ऐसी प्रणाली उपजी कि आशा नाम की कोई चीज बची ही नहीं रह गयी है। परन्तु इतिहास गवाह है कि जब ऐसी स्थिति आती है, स्वयं उसी के अन्दर से एक विपरीत परन्तु बेहद शक्तिशाली बल भी उत्पन्न होता है जो बने बनाये सारे ढ़ांचे का धवस्त कर देता है। तो क्या मोदी जी उसी विपरीत बल का दूसरा नाम है? उत्तर हाँ और ना दोनों है क्षमता तो मादी जी में है, परन्तु समाज का ताना बाना अभी भी बहुत उलझा हुआहै ऐसा करना उनके लिए आसान नहीं होगा। बल्कि यों कहें कि बेहद कठिन और दुष्कर होगा।

दरअसल हम अपना स्वभाव आसानी से बदलना नहीं चाहते है। यह हमारा स्वभाव हो गया है कि ज्यादा से ज्यादा लेनदेन नकदी में करें। ऐसा करना बिलकुल गलत नहीं है परन्तु इस स्वभाव का फायदा दूसरे लोग बड़ी आसानी से उठा लेते है, और सीधी चोट अर्थव्यवस्था को पहुँचती है इसलिए किसी के लिए भी दूसरे का स्वभाव बदलना बेहद दुष्कर कार्य है, और खासकर तब जब कानून की मर्यादा बिलकुल साथ खड़ी हो वर्तमान विकसित व्यवस्थाओं में यथा अमेरिका, कनाडा, फ्रांस, जापान आदि में नकदी लेनदेन कुल लेनदेन का लगभग 5 से 10 प्रतिशत से ज्यादा नहीं है जबकि भारत में 50 से 60 प्रतिशत के आसपास है भारत में भ्रष्टाचार का यह एक बहुत बड़ा कारण है संस्थानीय भ्रष्टाचार से इतर प्रक्रियात्मक भ्रष्टाचार कुछ छिपा हुआ होता है और आसानी से पकड़ में नहीं आता है पिछले 25 वर्षो में जमीन बेनामी सौदे, विदेशी बैंकों में काली कमाई का पैसा जमा होना, हवाला लेनदेन तथा शेयर मार्किट में पैसा लगाना इस सबसे पसंदीदा क्षेत्र रहें है। अमेरिका में 2007 में आयी मंदी के पश्चात भारत में काले धान की एक समानान्तर अर्थव्यवस्था स्थापित हो चुकी है। काली मुद्रा तो इस धंधो का एक छोटा हिस्सा है RBI के अनुसार भी भारतीय अर्थव्यवस्था में काली मुद्रा का प्रवाह अर्थव्यवस्था को प्रभावित नहीं कर रहा है जितना कि अन्य कारक दरअसल नेताओं, प्रशासनिक अधिकारियों और पूंजीपतियों और कॉर्पोरेट घरानों के बीच एक ऐसा गठजोड़ स्थापित हो चुका है एक प्रकार से सम्पूर्ण अर्थव्यवस्था की लगाम सरकार के बजाय इनके हाथों में आ चुका है और यही समस्या के मूल में है।

डॉ. संजय कुमार, एसोसिएट प्रोफेसर, राजनीतिक विज्ञान, लखीमपुर-खीरी
मो0 8858378871

किसी से भुक्ता करना, अपना विकास को रोकना है।

साहू राठौर भवन सहयोगी बन्धुओं के नाम जनपद व सहयोग राशि

क्र0 सं0	नाम	पता	धनराशि
1	श्री लाल बहादुर गुप्ता	लखनऊ	5000
2	श्री गुलशन राय गुप्ता	आजमगढ़	11000
3	श्री गंगा प्रसाद साहू	फतेहपुर	1100
4	श्री जिया लाल साहू	गोण्डा	2500
5	श्री मंगल प्रसाद साहू	गोण्डा	1100
6	श्री बनवारी लाल साहू	गोण्डा	1100
7	श्री साधूदीन साहू	सुमेरपुर, हमीरपुर	1100
8	श्री यशवन्त कुमार साहू	कुछेछा,हमीरपुर	2100
9	श्री कैलाश नारायण साहू	मांजखोर रमेडी, हमीरपुर	1100
10	श्री रविन्द्र साहू	बर्रादो, कानपुर	1100
11	डॉ0 राम आश्रय साहू	चन्द्रिका देवी रोड हलीम कालेज रोड	5100
12	श्री आनन्द प्रियदर्शी	घाटमपुर, कानपुर	5100
13	श्री राम किशोर साहू	घाटमपुर, कानपुर	1100
14	श्री रज्जन लाल साहू	घाटमपुर, कानपुर	21000
15	श्री सत्यनारायण साहू	ताजनगर, बर्रा, कानपुर	5000
16	श्री रमेश कुमार गुप्ता	के-ब्लाक किदवई नगर	2100
17	श्रीमती सरस्वती वर्मा	कानपुर	51000
18	श्रीमती सन्तोष कुमारी साहू	बर्रा-2, कानपुर	5000
19	श्री शिव प्रसाद गुप्ता	कुशीनगर	1000
20	श्री सुनील कुमार गुप्ता	कन्नौज	5000
21	श्री हौसला प्रसाद गुप्ता	आलमबाग, लखनऊ	1100
22	श्रीमती उमा साहू	सहादतगंज, लखनऊ	11000
23	श्री प्रभुदयाल साहू	ठाकुरगंज, लखनऊ	1000
24	श्री शिवलाल गुप्ता	विकासनगर, लखनऊ	5100
25	श्री गोपाल प्रसाद	हजरतगंज, लखनऊ	5100
26	श्री अनिल साहू	बालागंज ,लखनऊ	5100
27	श्री जैनेन्द्र कुमार गुप्ता	विकासनगर, लखनऊ	11000
28	श्री राजाराम गुप्ता	राजाजीपुरम, लखनऊ	1100

29	**श्री पंचमराम साहू**	राजाजीपुरम, लखनऊ	5100
30	**श्री राम प्रसाद गुप्ता**	विकासनगर, लखनऊ	5000
31	**श्री श्याम नरायन गुप्ता**	विकासनगर, लखनऊ	1000
32	**श्री शुभम गुप्ता**	बशीरतगंज, लखनऊ	2100
33	**श्री अशोक गुप्ता**	चारबाग, लखनऊ	2500
34	**श्री हनुमान साहू**	उदयगंज, लखनऊ	5000
35	**श्री सूर्य प्रकाश साहू**	दालमण्डी,लखनऊ	10000
36	**श्री कैलाश चन्द साहू**	सहादतगंज,लखनऊ	21000
37	**श्री रितेश कुमार साहू**	एल.डी.ए. कालोनी,लखनऊ	5100
38	**श्री जे.पी.गुप्ता**	कानपुर रोड,लखनऊ	2100
39	**श्री जवाहरलाल गुप्ता**	स्नेह नगर, आलमबाग,लखनऊ	1101
40	**श्री रामकिशोर गुप्ता**	आशुतोष नगर,लखनऊ	11000
41	**श्री राम चन्द्र गुप्ता**	राजाजीपुरम, लखनऊ	5100
42	**श्री राम नारायण साहू**	गोमतीनगर, लखनऊ	15000
43	**श्री अशोक राठौर**	गोमतीनगर, लखनऊ	11000
44	**इंजी.राम साहू**	इन्दिरा नगर , लखनऊ	25100
45	**श्री दयाराम गुप्ता**	आलमबाग, लखनऊ	500
46	**श्री संजय कुमार**	बेहजम रोड, लखीमपुर खीरी	2100
47	**श्री आर.के.गुप्ता**	नौरंगाबाद, लखीमपुर खीरी	1100
48	**श्री सुरेश कुमार जयसवाल**	राजाजीपुरम,लखीमपुर खीरी	1000
49	**श्री मदनलाल साहू**	राजाजीपुरम, लखीमपुर खीरी	1000
50	**डॉ0 आर.के.जयसवाल**	प्यारेपुर, लखीमपुर खीरी	2100
51	**श्री सुब्बालाल**	सिसौरा, लखीमपुर खीरी	5100
52	**श्री ओम प्रकाश राठौर**	धर्मापुर, लखीमपुर खीरी	2100
53	**श्री राजेन्द्र कुमार एड.**	पलियाकला, लखीमपुर खीरी	1000
54	**श्री राजेन्द्र साहू**	लखीमपुर खीरी	5100
55	**डॉ0 आर.के.गुप्ता**	नवजीवन नर्सिंग होम, लखीमपुर खीरी	21000
56	**श्री प्रेम सागर राठौर प्रधान**	पलियाकला, लखीमपुर खीरी	1000
57	**श्री संजय राठौर**	पलियाकला, लखीमपुर खीरी	1000

58	**श्री नरेन्द्र कुमार गुप्ता**	पलियाकला, लखीमपुर खीरी	2100
59	**श्री मनोज कुमार गुप्ता**	सम्पूर्णानगर, लखीमपुर खीरी	11000
60	**श्री ओम प्रकाश साहू**	पलियाकला, लखीमपुर खीरी	5100
61	**श्री हरीलाल साहू**	पलियाकला, लखीमपुर खीरी	1000
62	**श्री लक्ष्मी प्रसाद गुप्ता**	पलियाकला, लखीमपुर खीरी	1100
63	**डॉ0 अरविन्द कुमार गुप्ता**	गौतमनगर, लखीमपुर खीरी	5100
64	**श्री रूपराम राठौर**	पंचायतबाग, लखीमपुर खीरी	5100
65	**श्री अशर्फीलाल साहू**	मैलानी, लखीमपुर खीरी	2100
66	**श्री राम सिंह राठौर**	गोला, लखीमपुर खीरी	1100
67	**श्री राम भरोसे लाल राठौर**	बाजारगंज, लखीमपुर खीरी	5100
68	**श्री गिरराज राठौर**	भीतर मोहम्मदी, लखीमपुर खीरी	500
69	**श्री हरीशचन्द्र राठौर**	बाजार मोहम्मदी, लखीमपुर खीरी	5100
70	**श्री साहब लाल राठौर**	मोहम्मदी, लखीमपुर खीरी	5100
71	**श्री सत्येन्द्र गुप्ता**	फ्यूचर फाइबर रोड, मऊ	1100
72	**श्री जगदीश चन्द साहू**	फातिमा चौराहा, मऊ	1100
73	**डॉ0 ए.के.गुप्ता**	शहजादपुर, अम्बेडकर नगर	51000
74	**श्रीमती डिम्पल साहू**	सहादतगंज, अम्बेडकर नगर	2500
75	**श्री राजमणि साहू**	जमुनीपार, अम्बेडकर नगर	50000
76	**डॉ0 राम औजार गुप्ता**	अम्बेडकर नगर	21000
77	**श्री राम प्रताप गुप्ता एड.**	अमेठी	1100
78	**श्री विश्वनाथ साहू**	ककवा रोड, अमेठी	1100
79	**श्री गोविन्द कुमार साहू**	नरायनपुर, अमेठी	1100
80	**श्री त्रिवेणी प्रसाद गुप्ता**	सगरा तिराहा , अमेठी	1100
81	**श्री संगम प्रसाद गुप्ता**	गौरीगंज रोड, अमेठी	2100
82	**श्री राजेश कुमार**	अमेठी	2000
83	**श्री राम चन्द्र गुप्ता**	गौरीगंज, अमेठी	1100
84	**श्री प्यारे लाल साहू**	गौरीगंज, अमेठी	1100
85	**श्री मुन्ना लाल साहू**	गौरीगंज, अमेठी	500
86	**श्री राजेश कुमार साहू**	गौरीगंज, अमेठी	1100

87	**श्री अनूप स्वामी जी**	थाना-फुर्सतगंज, अमेठी	1100
88	**श्री चन्द्रभानु गुप्ता**	प्रतापगढ़	550
89	**श्री राम गरीबे साहू**	किशनगंज, अमेठी	5100
90	**श्री राम आसरे गुप्ता**	किशनगंज, अमेठी	5100
91	**श्री ननकू राम गुप्ता**	प्रतापगढ़	1100
92	**श्री फूदन लाल गुप्ता**	लक्ष्मीपुर, प्रतापगढ़	1100
93	**श्री हरिकरन साहू**	रानीगंज, प्रतापगढ़	1100
94	**श्री राधे श्याम गुप्ता**	दहिलामऊ, प्रतापगढ़	5000
95	**श्री रमाशंकर गुप्ता**	दहिलामऊ, प्रतापगढ़	1100
96	**श्री भगवती प्रसाद गुप्ता**	दहिलामऊ, प्रतापगढ़	1000
97	**श्री राम देव गुप्ता**	प्रतापगढ़	2100
98	**श्री चन्द्र प्रकाश गुप्ता**	प्रतापगढ़	1000
99	**श्री राम किशोर साहू**	मेदनीगंज , प्रतापगढ़	2100
100	**श्री रविन्द कुमार गुप्ता**	अन्तु, प्रतापगढ.	5000
101	**श्री रमेश कुमार साहू**	चचिहा लाल गंज, रायबरेली	2100
102	**श्री ज्ञानेन्द्र कुमार साहू**	सरेनी, रायबरेली	1100
103	**श्री सुरेश कुमार साहू**	सरेनी, रायबरेली	1100
104	**श्री बल्लू साहू**	सरेनी, रायबरेली	5100
105	**श्री अयोध्या प्रसाद साहू**	सरेनी, रायबरेली	1000
106	**श्री कुंज बिहारी साहू**	सरेनी, रायबरेली	1100
107	**श्री सुरेन्द्र कुमार साहू**	सरेनी, रायबरेली	1000
108	**श्री शिव प्रकाश साहू**	सरेनी, रायबरेली	2100
109	**श्री देवेश कुमार साहू**	सरेनी, रायबरेली	21000
110	**श्री जितेन्द्र कुमार साहू**	लालगंज, रायबरेली	1100
111	**श्री मनोज साहू**	लालगंज, रायबरेली	1100
112	**श्री लाल बहादुर साहू**	गल्लामंडी, रायबरेली	1100
113	**श्री सच्चे लाल साहू**	लालगंज, रायबरेली	1500
114	**श्री बाल कृष्ण साहू**	लालगंज, रायबरेली	2100
115	**डॉ0 श्याम सुन्दर साहू**	लालगंज, रायबरेली	1000

क्रमशः अगले अंक मे

भारतीय तैलिक साहू राठौर महासभा (रजि0)

Bhartiya Tailik Sahu Rathore Mahasabha (Reg.)

सम्पर्क कार्यालय : शुभम थियेटर बिल्डिंग, कैन्ट रोड़, कैसरबाग, लखनऊ-226001
Office : Shubham Building, Cantt. Road, Kaisarbagh, Lucknow-226001

सहयोगी सदस्यता स्वीकृति-पत्र

सेवा में,

राष्ट्रीय अध्यक्ष

भारतीय तैलिक साहू राठौर महासभा

शुभम थियेटर बिल्डिंग, कैन्ट रोड

कैसरबाग, लखनऊ-226001

मान्यवर,

मैं साहू राठौर महासभा द्वारा चलाये जा रहे समाजोत्थान कार्यो से प्रभावित हूँ अतः इस महान यज्ञ में अपना सहयोग प्रदान करने हेतु विशिष्ट सदस्यता (3वर्ष हेतु) रू0 500/-, आजीवन सदस्यता (15 वर्ष हेतु) रू0 1500/-, संरक्षक सदस्यता (आजीवन) रू0 2100/-में से..सदस्यता की स्वीकृति प्रदान करें।

नाम श्री/श्रीमती..

पिता/पति का नाम..

जन्म तिथि..वर्तमान व्यवसाय/नौकरी/अन्य सेवा

कार्य.. पता (निवास) ....

....कार्यालय :..पिन कोड........................

फोन............................मोबाइल..ई-मेल (यदि हो तो)..

.... शैक्षिक योग्यता..अभिरूचि...

.................सदस्यता शुल्क विवरण.. ....

....(चेक/मनीआर्डर/डी.डी.) पूरा उल्लेख करे।

स्थान : ....

दिनाँक : ....

(नोटः सदस्यता पूर्ण विवरण हेतु फार्म के पीछे अवश्य पढ़े।)

सदस्य के हस्ताक्षर

आदरणीय स्वजातीय बन्धु सादर नमस्कार !

मुझे इस सत्यता का भरपूर आभास है कि आप सभी के हृदय में समाजोत्थान की एक ललक व मन में पीड़ादायक एक टीस अवश्य समाई हुई है जिसके कारण आप समाज कार्यों में सहभागी बनकर अपने कर्त्तव्य के प्रति सचेष्ट हैं। आपके सामने एक कल्पना है, एक सपना है, एक योजना है ताकि सामाजिक उन्नति के बल पर आप अपने बच्चों का सर्वांगीण विकास सुनिश्चित कर सकें ताकि भावी पीढ़ी को उत्तरोत्तर उन्नति करने का सुअवसर प्राप्त हो सके।

यह सुखद संयोग है कि भारतीय तैलिक साहू राठौर महासभा' की संस्थापक प्रान्तीय इकाई है, का कार्य विगत 1989 से सतत् रूप से चल रहा है। समिति के कार्य की यह निरन्तरता विशेष महत्वपूर्ण है। यह मेरी अपनी अवधारणा है कि सामाजिक संगठन किसी व्यक्ति विशेष पर निर्भर नहीं रहना चाहिए। समाज की उन्नति में तो सभी की सहभागिता, सक्रियता एवं नेतृत्व क्षमता का उपयोग व सहयोग होना चाहिए। हम इस समाज के अभिन्न अंग हैं अतः इस गुरूतर दायित्व के लिए हमें ही आगे आना होगा।

परन्तु यह सत्यता भी निर्विवादित है कि संगठन तंत्र को सुचारू रूप से चलाने के लिए आर्थिक तंत्र को सबंल रखना भी आवश्यक है क्योंकि प्रत्येक कदम पर धन की आवश्यकता होती है। इसी को दृष्टिगत रखते हुये सामाजिक बन्धुओं के मध्य सदस्यता अभियान प्रारम्भ करने का निर्णय हुआ है।

सदस्यता सम्बन्धी विस्तृत जानकारी

(1) विशिष्ट सदस्यता- इस सदस्यता हेतु सहयोग राशि 500/-(पाँच सौ मात्र निर्धारित की गई है)। प्रान्तीय एवं राष्ट्रीय अध्यक्ष के निर्वाचन के समय विशिष्ट सदस्य को वोट देने का अधिकार होगा। रसीद कटने की तिथि से आगामी तीन वर्षों तक यह मान्य रहेगी। संस्था द्वारा प्रकाशित त्रैमासिक पत्रिका सदस्यता अवधि तक निःशुल्क प्राप्त होती रहेगी।

(2) आजीवन सदस्यता - इस सदस्यता हेतु सहयोग राशि 1500/- (एक हजार पाँच सौ मात्र) निर्धारित की गई है। रसीद कटने की तिथि से आगामी 15 वर्षों तक सदस्यता मान्य रहेगी। ऐसे आदरणीय सदस्य को संस्था द्वारा प्रकाशित त्रैमासिक पत्रिका सदस्यता अवधि तक निःशुल्क प्राप्त होती रहेगी।

(3) संरक्षक सदस्यता- इस सदस्यता हेतु सहयोग राशि रू0 2100/- (दो हजार एक सौ मात्र) सम्पूर्ण जीवन काल के लिए निर्धारित की गई है। सम्पूर्ण जीवन काल के लिए ऐसे आदरणीय सदस्य का समाजहित में सहयोग चिर स्मरणीय रहेगा। संस्था द्वारा प्रकाशित त्रैमासिक पत्रिका स्वाभाविक रूप से आजीवन निःशुल्क प्राप्त होती रहेगी।

अन्त में इसी दृढ़ विश्वास के साथ यह अनुरोध पत्र भेजा जा रहा है कि समाजोत्थान के इस यज्ञ में आपकी आर्थिक सहभागिता अवश्य प्राप्त होगी।

विशेष : इस पत्र के साथ सदस्यता स्वीकृति पत्र प्रेषित है।

सादर,

भवदीय

(गांधी रामनरायन साहू)

राष्ट्रीय अध्यक्ष

समाचार पत्रों की सुर्खियाँ

श्रद्धा — तेली समाज, साहू समाज ने किया आयोजन

वर्धा में मां कर्माबाई की 1001वीं जयंती धूमधाम से

साहू समाज संस्था वर्धा के तत्वावधान में तेली समाज ने मां कर्माबाई की 1001वीं जयंती बड़े ही धूमधाम से साहू समाज भवन साई मंदिर रोड वर्धा में मनाई. कार्यक्रम के उद्घाटक वर्धा के सांसद एवं प्रांताध्यक्ष महाराष्ट्र प्रांतिक तैलीय महासभा रामदास तडस ने मां कर्माबाई के चरित्र पर माल्यार्पण एवं आरती से किया.

वर्धा, जिला संवादक

भारतीय तैलीय साहू राठोर महासभा के राष्ट्रीय प्रवक्ता एवं दिल्ली अध्यक्ष एस. राहुल व राष्ट्रीय कार्याध्यक्ष उमेश नंदलाल साहू प्रमुख अतिथि के रूप में उपस्थित थे. विशिष्ट अतिथि के तौर पर वसंत साहू नागपुर समाज के अध्यक्ष अतुल वांदीले, वर्धा जिला प्रांतीय तैली महासभा के अध्यक्ष सुनील साहू, भारतीय तैली साहू राठोर महासभा के युवा कार्याध्यक्ष, रमाशंकर साहू उ.प्र. युवा कार्याध्यक्ष रहे. मुख्य अतिथि रामनारायण साहू ने कहा कि अपने समाज में शिक्षा का स्तर बढ़ाने की आवश्यकता हैं. अपने समाज में बच्चो एवं बच्चियों को उच्च शिक्षा की तरफ प्रेरित करें तभी समाज का सर्वांगींण विकास संभव है. उच्च शिक्षा प्रशासकीय सेवा में महत्वपूर्ण भूमिका बढ़ाने की आवश्यकता है. इसमें अधिकतम बच्चियों की शिक्षा बहुत ही महत्वपूर्ण है, क्योंकि शिक्षित बच्ची दो परिवार को शिक्षित कर सकती है. इसके अलावा भी अपने परिवार से एक बच्चे को राजनीति की ओर भी प्रेरित करना चाहिए, जिसके माध्यम से समाज में सेवाभाव करने अपने समाज की परेशानियां से दूर की जा सकती है.

उद्घाटनकर्ता सासंद रामदास तडस ने कहा कि तेली साहू समाज में अनेक संत हुए है. इसमें मां कर्मादेवी, संताजी जगनाड़े महाराज है. सभी संतो की जयंती एवं उनके द्वारा किए गए कार्यों का उल्लेख करना जरूरी है. इससे समाज को प्रेरणा मिलती है. अपना समाज संपूर्ण भारत में बसा है. लेकिन तेली समाज बटा हुआ है. अब पूरे समाज को एक करने की जरूरत है. जिस तरह प्रत्येक व्यक्ति नि:स्वार्थ भाव से अपने परिवार की सभी जिम्मेदारियों का निर्वहन करता है. उसी तरह हर व्यक्ति को समाज के प्रति अपनी जिम्मेदारी का भी निर्वहन करना चाहिए. हमारा समाज परिवार का एक हिस्सा है. इसी समाज के कारण हमारे परिवार की पहचान होती है. समाज द्वारा सभा का आयोजन हर समाज को करना चाहिए. इससे प्रतिभाओं का मनोबल बढ़ता है और दूसरे बच्चे व समाज के लोग प्रेरित होकर सभ्य समाज के निर्माण के लिए सहायक साबित होते है. समाज के उत्थान में शिक्षा अहम भूमिका बताते हुए कहा कि बेहतर शिक्षा से न केवल जीविकापार्जन का मार्ग प्रशस्त होता है, बल्की समाज में अच्छे लोगों की संख्या बढ़ती है. हर बच्चे को शिक्षा का अधिकार प्राप्त है. सामाजिक संगठन तभी मजबूत होगा जब हम संगठित होकर कार्य करेंगे. संगठन मजबूत रहेगा तो विकास भी तीव्र गति से होगा. राष्ट्रीय प्रवक्ता राहुल ने कहा कि, तेली समाज की आराध्य मां कर्मा से हमें शक्ति से प्रेरणा मिलती है. सच्चे मन से किया गया प्रयास अवश्य सफल होता है. मां कर्मा ने तेली समाज को राष्ट्रीय स्तर पर पहचान दिलाई है. मां कर्मा से हमें प्रेरणा मिलती है कि देश व राष्ट्र की सेवा के लिए सदैव तत्पर रहना चाहिए और उसके लिए हमें हमेश अपना सर्वस्व त्यागने के लिए तैयार रहना चाहिए. इस कार्यक्रम की अध्यक्षता समाज के अध्यक्ष राजेश साहू ने की. कार्यक्रम का मार्गदर्शन पंकज तडस ने किया. उक्त कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए लक्ष्मण साहू, अखिलेश साहू, योगेश साहू, सुनिल साहू, विजय साहू, नरेंद्र साहू, रूपेश साहू, प्रकाश साहू, गणेश साहू, निखिल साहू, महेश साहू, स्वप्निल साहू, डॉ. अनिस साहू, कन्हैया साहू, सुरेश साहू, दिनेश साहू, रितेश साहू का योगदान रहा.

कर्मा माता जयंती मनाई

वर्धा (का). साहू समाज संस्था वर्धा के तत्वावधान में तेली समाज (साहू) की ओर से मां कर्माबाई की जयंती साईं मंदिर रोड स्थित साहू समाज भवन में मनाई. मुख्य अतिथि के रूप में तैलिक साहू राठोड़ महासभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व सांसद रामनारायण साहू थे. कार्यक्रम की अध्यक्षता समाज के अध्यक्ष राजेश साहू ने की. उद्घाटक सांसद एवं महाराष्ट्र प्रांतिक तैलिक महासभा के प्रांताध्यक्ष रामदास तडस ने मां कर्माबाई के चित्र पर माल्यार्पण किया.

भारतीय तैलिक साहू राठोर महासभा के राष्ट्रीय प्रवक्ता एवं दिल्ली अध्यक्ष एस. राहुल एवं राष्ट्रीय कार्याध्यक्ष उमेश नंदलाल साहू, वसंत साहू (नागपुर), वर्धा जिला प्रांतिक तैलिक महासभा के अध्यक्ष अतुल वांदिले, भारतीय तैलिक साहू राठोर महासभा के युवा कार्याध्यक्ष सुनील साहू, उ.प्र.युवा कार्याध्यक्ष रमाशंकर साहू प्रमुख अतिथि के रूप में उपस्थित थे. कार्यक्रम का मार्गदर्शन पंकज तडस ने किया. सफलतार्थ लक्ष्मण साहू, अखलेश साहू, योगेश साहू, सुनील साहू, विजय साहू, नरेंद्र साहू, रूपेश साहू, प्रकाश साहू, गणेश साहू, निखिल साहू, महेश साहू, स्वप्नील साहू, डा.अनीस साहू, कन्हैय्या साहू, सुरेश साहू, दिनेश साहू, रितेश साहू ने प्रयास किये.

पाक मामले में राजनीति कर रहीं कांग्रेस-बसपा : साहू

लखनऊ (एसएनबी)। भाजपा ट्रेड एंड इण्डस्ट्री प्रकोष्ठ के राष्ट्रीय प्रभारी और पूर्व सांसद राम नारायण साहू ने कांग्रेस व बसपा को आड़े हाथों लेते हुए कहा है कि पाकिस्तान के मामले में केन्द्र सरकार पूरी कूटनीति के साथ काम कर रही है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी पाक को दो-टूक शब्दो में कह चुके हैं कि सैनिकों की मौत का बदला हर हाल में लिया जाएगा। श्री साहू ने कहा है कि पाक मसले में कांग्रेस व बसपा की ओर से जो बयान आ रहे हैं वह इस बात का प्रमाण है कि वो राष्ट्रहित के मसले पर भी राजनीतिक रोटियां सेंक रहीं हैं। पूर्व सांसद श्री साहू कहा कि नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व वाली यह केन्द्र सरकार ही पहली सरकारी है जिसने उरी हमले के बाद अपना तीखा विरोध दर्ज कराने के सात ही हर पहले पर विचार करने के लिए राष्ट्रीय सुरक्षा समिति की कई बैठकें कीं, प्रधानमंत्री, गृहमंत्री और सभी सेना प्रमुखों से वार्ता के बाद हर तरह के विकल्पों पर गहरा मंथन कर रहे हैं।

समाज के राष्ट्रीय नेताओं के संदेश

राष्ट्रीय अध्यक्ष
राम नरायन साहू - पूर्व सांसद राज्यसभा

जगन्नाथ साहू
राष्ट्रीय अध्यक्ष साहू वैश्य महासभा
लखनऊ (उ.प्र.)

राष्ट्रीय कार्यवाहक अध्यक्ष
उमेश नंदलाल साहू, महाराष्ट्र

मोदीजी मेरे अंतर्मन में हैं : जशोदाबेन

नईदुनिया, इंदौर : प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की पत्नी जशोदाबेन ने कहा है कि मोदीजी मेरे अंतर्मन में हैं। प्रतिदिन उनके लिए पूजा-पाठ करती हूं। वे देव तुल्य हैं और मैं उनकी आत्मा हूं। हम दोनों देश के लिए अपना-अपना दायित्व निभा रहे हैं। वे देश की उन्नति और विकास के लिए काम कर रहे हैं। मैं शिक्षिका होकर देश की आने वाली पीढ़ी में राष्ट्र भक्ति की अलख जगा रही हूं।

जशोदाबेन नईदुनिया से चर्चा कर रही थीं। उन्होंने कहा, मोदीजी के नेतृत्व में देश फिर से विश्व गुरु का दर्जा प्राप्त करेगा। उत्तर प्रदेश चुनाव में भाजपा की भारी जीत पर जशोदाबेन ने कहा, यह जीत मोदीजी द्वारा देश के विकास के लिए किए जा रहे कामों का परिणाम है। दोपहर में जशोदाबेन उज्जैन पहुंची थीं। वहीं देवास में सकल पंच राठौर समाज समिति द्वारा रविवार को आयोजित निःशुल्क परिचय सम्मेलन को संबोधित करते हुए जशोदाबेन ने बालिका शिक्षा पर जोर देते हुए बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ की बात कही।

बेटियों को पढ़ाएंगे तभी बढ़ेगा समाज : जसोदा बेन

जागरण संवाददाता, उरई : माधौगढ़ में रविवार को आयोजित सामूहिक विवाह कार्यक्रम में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की पत्नी जसोदा बेन ने कहा कि बेटियों को बचाएंगे, उन्हें पढ़ाएंगे तभी समाज आगे बढ़ेगा। इस समारोह में 25 जोड़े विवाह बंधन में बंधे। सभी जोड़ों को समाज की ओर से जरूरत का सामान कन्यादान के रूप में दिया गया। जसोदा बेन ने नवविवाहित जोड़ों को आशीर्वाद दिया। उन्होंने ऐसे आयोजनों को समाज की सोच में बदलाव के लिए अहम बताया। उन्होंने कहा कि सामूहिक विवाह सिर्फ आयोजन

महिला सशक्तीकरण जरूरी

लखनऊ (ब्यूरो)। भारतीय तैलिक साहू राठौर महासंभा की रविवार को हुई बैठक में साहू समाज में महिला सशक्तीकरण की आवाज उठी। सभा के सदस्यों ने एक स्वर में महिलाओं को पर्दे से निकालकर समाज उत्थान के कार्यक्रमों में भागीदारी देने पर विचार किया। कौल साहब सभागार गांधी भवन में हुई बैठक में दो अक्तूबर को गांधी जयंती व राम नारायण साहू दिवस मनाए जाने और जिलों में साहू सम्मेलन किए जाने पर चर्चा हुई। सभा के राष्ट्रीय प्रभारी जितेंद्र माथुर व प्रदेश अध्यक्ष डॉ. डीसी गुप्ता ने कहा साहू समाज के नाम पर कई लोग अपनी दुकाने चला रहे हैं।

एक नजर

झुकती है दुनिया झुकाने वाला चाहिए : प्रह्लाद मोदी

शहडोल : मध्य प्रदेश के शहडोल में रविवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के भाई प्रह्लाद मोदी ने कहा कि साहू समाज के लोग गुटबाजी छोड़कर संगठित हो जाएं। हम ऐसी ताकत बनें जिससे राजनीतिक पार्टियां उनके कदमों में झुक जाएं। आगे कहा कि 'झुकती है दुनिया, झुकाने वाला चाहिए'। सम्मेलन में अपनी बात को रखते हुए कहा कि हम तेली हैं, इस पर गर्व का अनुभव करो। देश की संसद में हमारे समाज के 24 सांसद हैं पर गुटबाजी के कारण वे हमें नहीं पूछते। हम उनको नहीं पूछते। यह खत्म करना होगा। वह रेलवे इंस्टटीयूट सभागार में साहू समाज के संभाग स्तरीय महासम्मलेन व युवक- युवती परिचय कार्यक्रम में बोल रहे थे।

सुधाकर गुप्ता जिला युवा अध्यक्ष मनोनीत

गोरखपुर। भारतीय तैलिक साहू राठौर महासभा के युवा प्रदेश कार्यवाहक अध्यक्ष रमाशंकर तेली ने सुधाकर गुप्ता को जिला युवा अध्यक्ष मनोनीत किया है। कुसम्ही बाजार क्षेत्र के मठिया रमवापुर निवासी सुधाकर गुप्ता को यह जिम्मेदारी मार्च 2018 तक के लिए दी गई है।

समाज के लोग बढ़ाएं राजनीति में अपनी भागीदारी

जासं, लखनऊ : समाज के लोग राजनीति में अपनी भागीदारी बढ़ाएं। आगामी विधानसभा चुनावों में अपने समर्थकों के आधार पर टिकट की दावेदारी करें। ऐसे लोग जो भाजपा से टिकट चाहते हैं वह शीघ्र अपना बायोडाटा दें, ताकि उसे आगे बढ़ाया जा सके। यह आह्वान गांधी भवन में आयोजित भारतीय तैलिक साहू राठौर महासभा उत्तर प्रदेश (उप्र) की प्रांतीय बैठक में महासभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष व पूर्व सांसद रामनारायण साहू ने किया। उन्होंनें कहा कि जब तक हम राजनीतिक तौर पर मजबूत नहीं होंगे समाज मजबूत नहीं पाएगा। उन्होंने कहा कि समाज की महिलाओं को भी संगठन में भागीदार बनाकर आधी-आबादी को सशक्त बनाना होगा। बैठक की अध्यक्षता जीतेंद्र माथुर ने त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव में समाज द्वारा की गई भागीदारी पर प्रसन्नता जताई।

आपके शहर लखनऊ में
विश्वसनीयता के प्रतीक
"साहू ग्रुप"
का प्रतिष्ठान

SAHU JEWELLERS
PRIVATE LIMITED

पहली मंजिल, साहू बिल्डिंग, श्री हनुमान मन्दिर के सामने,
हजरतगंज, लखनऊ फोन : **2202465**

SUNDAY OPEN

साहू के विश्वास के साथ

भारतीय तैलिक साहू राठौर महासभा, द्वारा पत्रिका 'चेतना संदेश' के सफल प्रकाशन हेतु
हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएँ

VASTU HOME IN DOMBIVLI

A PROJECT BY VASTU HOME BUILDERS & DEVELOPERS

मोहन हजारीलाल गुप्ता

अध्यक्ष,-भारतीय तैलिक साहू राठौर महासभा, मुम्बई
अध्यक्ष- साहू तेली समाज वेलफेयर ट्रस्ट
मो0 9820300020

रतिलाल साहू

प्रमुख महासचिव,-भारतीय तैलिक साहू राठौर महासभा, मुम्बई
सचिव- साहू तेली समाज वेलफेयर ट्रस्ट
मो0 9769699643

देवचंद निवास, 9 ला माला, घनश्याम गुप्ते रोड, जैन मंदिर के पास, डोंबिवली (प.)